RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 164 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 07-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारतीय महिलाओं को भविष्य में हराना मुश्किल होगा : एशले गार्डनर

6 आस्था के साए में अपराध : पैरोल ने फिर जगाए विवाद

7 रीना रॉय : पर्दे की पहली 'नागिन' ने जब चुराया लोगों का दिल

फर्स्ट टेक

इजराइल ने लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए

सिडोन (लेबनान)/एपी। इजराइल की वायुसेना ने सोमवार देर रात और मंगलवार तड़के लेबनान के सिडोन समेत दक्षिणी एवं पूर्वी इलाकों पर हमले किए। सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात करीब एक बजे हुए एक हमले में दक्षिणी तटीय शहर सिडोन में तीन मंजिला एक वाणिज्यिक इमारत ध्वस्त हो गई। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब कुछ ही दिन बाद लेबनान के सेना प्रमुख इजराइल के साथ लगती सीमा वाले इलाके में चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला के निरस्त्रीकरण के अपने मिशन के बारे में सरकार को जानकारी देने वाले हैं। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने मंगलवार को एक बयान में इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि ये हमले शत्रुता को कम करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों और हिज्बुल्ला के लंबे समय से प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में सरकार के अधिकार का विस्तार करने के लेबनान के प्रयासों के विपरीत हैं।

पश्चिमी जापान में शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो/एपी। पश्चिमी जापान में मंगलवार को शक्तिशाली भूकंप आया लेकिन इससे सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण कोई बड़ा नुकसान होने या किसी के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.2 थी और यह उत्तर-पश्चिमी जापान के शिमाने प्रांत में आया। बाद में एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 6.4 थी। प्रांतीय राजधानी मात्सुए और तोत्तोरी प्रांत के कुछ शहर समेत आसपास के शहरों में सबसे अधिक झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र लगभग 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई में था। उसने साथ ही कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

इंडोनेशिया में अचानक आई बाढ़

मनाडो (इंडोनेशिया)/एपी। इंडोनेशिया के नॉर्थ सुलावेसी प्रांत में भारी बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि मानसून की बारिश के कई दिनों के बाद सोमवार तड़के नदियों के तटबंध टूट गए, जिससे चट्टानों के मलबे के साथ कीचड़ बहने लगा। उन्होंने बताया कि इससे सियाउ तागुलंदांग बियारो जिले में कई लोग बह गए और गांव जलमग्न हो गए। मुहारी ने बताया कि पुलिस और सेना के सहयोग से आपातकालीन बचाव कर्मी इंडोनेशिया के चौथे सबसे बड़े द्वीप सुलावेसी के उत्तरी छोर से लगभग 130 किलोमीटर दूर स्थित छोटे से द्वीप सियाउ के तबाह हुए चार गांवों में तैनात किए गए हैं।

सूर्यास्त 07-01-2026 6:08 बजे	सूर्योदय 08-01-2026 6:44 बजे
BSE 85,063.34 (-376.27)	NSE 26,175.60 (-74.70)
सोना 14,294 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 253,882 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नेता गुण

नेता होते हैं बाजीगर,
मुद्दों से ध्यान बँटाने में।
होते हैं पूरे व्यापारिक,
रिश्तों को जोड़-घटाने में।
पूरे होते हैं क्रूर कुशल,
पथ कंटक दूर हटाने में।
जिस पर उनका दिल आ जाए,
पल लगता उसे पटाने में।।

शोभायात्रा

मंगलवार को वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित भव्य धार्मिक शोभायात्रा के दौरान भगवान नम्पेरुमल की प्रतिमा स्वर्ण घोड़े पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करती हुई दिखाई दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़े और भक्तिमय माहौल बना रहा।

नष्ट करने के प्रयासों के बावजूद भारतीय भाषाएँ समय की कसौटी पर खरी उतरीं : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि भारतीय भाषाएं एकता की शक्ति हैं और नष्ट किए जाने के प्रयासों के बावजूद ये समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं।

प्रधान ने यह बात भारतीय शास्त्रीय भाषाओं में 55 पुस्तकों का विमोचन करते हुए कही, जिनमें सांकेतिक भाषा में तिरुक्कुरल की व्याख्या भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''हमारी भाषाएँ एकता की शक्ति हैं। भारतीय भाषाएँ समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं, भले ही उन्हें नष्ट करने के प्रयास किए गए हों। भारत लोकतंत्र की जननी है और साथ ही भाषाई विविधता से समृद्ध देश भी है। यह हमारा दायित्व है कि हम अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक संपदा का संरक्षण करें और आने वाली पीढ़ियों को इसके बारे में जागरूक करें।'' मंत्री ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि सभी भारतीय भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं।

प्रधान ने शास्त्रीय भाषाओं- कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और ओडिया के उत्कृष्टता केंद्रों द्वारा विकसित 41 साहित्यिक कृतियों का विमोचन किया।

मंत्री ने केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान (सीआईसीटी) की 13 पुस्तकों के साथ-साथ तिरुक्कुरल की सांकेतिक भाषा में व्याख्या करने वाली 45 कड़ियों की एक श्रृंखला का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा, ''कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, तमिल और सांकेतिक भाषा में ये साहित्यिक कृतियाँ भारत की भाषाई विरासत को शिक्षा, अनुसंधान और सांस्कृतिक गौरव के केंद्र में रखने के हमारे व्यापक राष्ट्रीय प्रयास का एक हिस्सा हैं।''

भारत में एआई को समावेशी, सुलभ और जनोपयोगी बनाने की दिशा में उठाये जा रहे हैं ठोस कदम : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले समय में मानव जीवन का अभिन्न अंग बनेगा और हर व्यक्ति, हर घर तथा हर उद्यम तक इसकी पहुंच होगी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में एआई को समावेशी, सुलभ और जनोपयोगी बनाने की दिशा में ठोस एवं दूरदर्शी कदम उठाए जा रहे हैं।

वैष्णव ने मंगलवार को यहां जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 के उद्घाटन सत्र कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर यह बात कही। उन्होंने कहा कि कम समय में भारत ने एआई मशीनों और तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है और आज देश की एआई क्षमताएं विश्व स्तर पर चर्चित है। एआई कंप्यूट सुविधा को 'जन-जन' तक पहुंचाने के उद्देश्य से कॉमन कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जिसके अंतर्गत देशभर में कम लागत पर उन्नत कंप्यूट संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एआई विकास के क्षेत्र में भारत आज विश्व के शीर्ष तीन देशों में शामिल है। चीन, अमेरिका और भारत एआई डेवलपमेंट में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आईटी इंडस्ट्री देश की अर्थव्यवस्था की एक बड़ी ताकत है और एआई के माध्यम से यह शक्ति और सुदृढ़ होगी। विशाल प्रतिभा, मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार आधारित इकोसिस्टम भारत को वैश्विक स्तर पर एआई क्षेत्र में नेतृत्व की ओर ले जा रहे हैं।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा में शुरू होगी

चंडीगढ़/भाषा। देश में हाइड्रोजन से चलने वाली पहली ट्रेन हरियाणा में शुरू होने वाली है। हरियाणा सरकार द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि उत्तरी रेलवे की यह महत्वाकांक्षी परियोजना अंतिम चरण में है जिसके तहत जींद और सोनीपत के बीच हाइड्रोजन संचालित ट्रेन चलेगी। जींद में स्थापित हाइड्रोजन संयंत्र के लिए 11 केवी की निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। यह संयंत्र ट्रेन के नियमित संचालन के दौरान ईंधन प्रदान करेगा। इस परियोजना के लिए स्थापित हाइड्रोजन संयंत्र की भंडारण क्षमता 3,000 किलोग्राम है।

आरएसएस पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में

कर्नाटक के मंत्रियों और युवा कांग्रेस नेता को नोटिस

बेंगलूरु/भाषा। एक विशेष अदालत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उसके सदस्यों को बदनाम करने वाले बयान देने के आरोप में कर्नाटक के मंत्रियों प्रियंक खरगे, दिनेश गुंडू राव तथा युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद हारिस नलपाद को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। जन प्रतिनिधियों से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने हाल ही में आरएसएस सदस्य और स्थानीय निवासी तेजस ए द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356(2) के तहत नोटिस जारी करने का निर्देश दिया था। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ग्रामीण विकास और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ''आरएसएस देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा है।''

ईरान में अर्थव्यवस्था की खस्ताहाल स्थिति

विरोध-प्रदर्शनों में अब तक 35 की मौत, 1200 हिरासत में

दुबई/एपी। ईरान में अर्थव्यवस्था की खस्ताहाल स्थिति और राजनीतिक दमन को लेकर एक हफ्ते से अधिक समय से जारी विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,200 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। एक मानवाधिकार एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस बीच, ईरान सरकार ने देश के पश्चिमी प्रांत ईलम में हिंसा की बात स्वीकार की है, जहां सुरक्षाबलों ने एक अस्पताल पर कथित तौर पर धावा बोला और आम नागरिकों पर गोलीबारी भी की।

अमेरिका की 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि ईरान के 31 प्रांतों में से 27 में 250 से अधिक स्थानों पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। उसने बताया कि इन विरोध-प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 29 प्रदर्शनकारी, चार बच्चे और ईरानी सुरक्षा बल के दो सदस्य मारे गए हैं।

सोनिया गांधी को अस्पताल में भर्ती कराया गया : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को यहां सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत ठीक है और उन्हें छाती रोग विशेषज्ञ की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नियमित जांच के तहत उन्हें भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता को काफी समय से खांसी की समस्या है और वह समय-समय पर, खासकर शहर में प्रदूषण के कारण जांच के लिए आती रहती हैं। सूत्र ने बताया कि सोनिया गांधी को सोमवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी ने दिसंबर 2025 में ही अपना 79वां जन्मदिन मनाया था।

मोदी मुझसे ज्यादा खुश नहीं हैं : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि रूसी तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे 'ज्यादा खुश नहीं हैं।'

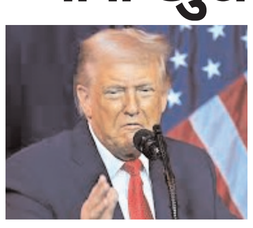

ट्रंप ने 'हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट' में अपने संबोधन में यह भी दावा किया, ''प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और बोले, ''श्रीमान्, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं?' मैने कहा, ''जी हां।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। वह मुझसे उतने खुश नहीं हैं, क्योंकि उन्हें काफी शुल्क देना पड़ रहा है। लेकिन, अब उन्होंने रूस से तेल का व्यापार काफी हद तक कम कर दिया है।''

'हाउस जीओपी मेंबर रिट्रीट' अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के रिपब्लिकन पार्टी सदस्यों की एक वार्षिक बैठक है।

जेएनयू में मोदी, शाह के खिलाफ विवादास्पद नारे लगाए गए

नई दिल्ली/भाषा। जेएनयू परिसर में हुए एक प्रदर्शन से उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब 2020 के दंगा मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को उच्चतम न्यायालय से जमानत नहीं मिलने के विरोध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक नारे लगाए गए। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने जोर देते हुए कहा कि किसी भी गैरकानूनी आचरण या राष्ट्रविरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सोमवार की घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आपत्तिजनक नारे लगाने वाले छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान बोले प्रधान न्यायाधीश : 'प्रतिष्ठा का प्रतीक' बन गई है कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने मंगलवार को कहा कि कार 'प्रतिष्ठा का प्रतीक' बन गई है और लोग साइकिल का इस्तेमाल बंद करने के बाद चार पहिया वाहन खरीदने के लिए पैसे बचा रहे हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि वायु प्रदूषण की समस्या का एक समाधान यह हो सकता है कि लोगों के पास कई-कई कारें रखने की प्रवृत्ति कम की जाए। इस पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, कार अब प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गई है। लोग कार खरीदने के लिए पैसे बचा रहे हैं और साइकिल चलाना छोड़ चुके हैं।

बहस के दौरान द्विवेदी ने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग बहुत शक्तिशाली है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अमीर लोगों को भी त्याग करना चाहिए। महंगी गाड़ियों के बजाय उन्हें अच्छी इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। अदालत ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण संस्था को इस बात पर फटकार लगाई कि उसने दिल्ली की सीमाओं पर यातायात जाम कम करने के लिए टोल प्लाज़ा को अस्थायी रूप से बंद करने या कहीं और स्थानांतरित करने के मुद्दे पर दो महीने की मोहलत मांगी है।

शीर्ष अदालत ने सीएक्यूएम की कार्यशैली में गंभीरता की कमी की आलोचना की और कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वह बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के कारणों की पहचान करने या दीर्घकालिक समाधान खोजने में कोई जल्दबाजी नहीं दिखा रही है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने सीएक्यूएम को दो सप्ताह के भीतर विशेषज्ञों की बैठक बुलाने और प्रदूषण के बिगड़ते स्तर के प्रमुख कारणों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

गोयल ने कंपनियों से सीएसआर खर्च को कुपोषण से निपटने पर लगाने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कॉरपोरेट जगत से अपने सीएसआर खर्च को कुपोषण से निपटने में लगाने का मंगलवार को आह्वान किया और इसे भारत के भविष्य एवं उनके अपने व्यावसायिक हितों के लिए महत्वपूर्ण करार दिया।

एनडीडीबी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'पोषण सुरक्षा एवं कुपोषण निवारण में कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय सीएसआर सम्मेलन में गोयल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए देश को कुपोषण-मुक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, '' देश को कुपोषण से मुक्त करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। गर्भावस्था और शिशु के विकास के चरण में ही कुपोषण को रोका जा सकता है।'' मंत्री ने इस क्षेत्र में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यों की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए यह बात कही। गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि कुपोषण की रोकथाम पर केंद्रित सीएसआर गतिविधियों से निवेश पर बेहतर प्रतिफल प्राप्त होगा। उन्होंने कहा, '' यह दान नहीं है, आप अपनी कंपनी के भविष्य के मुनाफे में निवेश कर रहे हैं। अगर आप अपनी गतिविधियों को कुपोषण से जोड़ते हैं तो आप अपना ही भला कर रहे हैं। कॉरपोरेट कंपनियां खुद की मदद कर रही हैं, नए बाजार, नया श्रम, नए कर्मचारी एवं भविष्य के नए उपभोक्ता तैयार कर रही हैं।''

आंध्र प्रदेश के मंडल परिषद उपचुनाव में लोकतंत्र की 'हत्या' हुई : जगन मोहन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायतू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मंडल परिषद अध्यक्ष (एमपीपी) उपचुनावों के दौरान डराने-धमकाने और हिंसा की घटनाओं का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि आंध्र प्रदेश में छोटे स्थानीय निकाय चुनाव जीतने के लिए भी लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

नेल्लोर और अनंतपुर जिलों के विंजामुरु और बोम्मनहल्ली मंडल परिषद अध्यक्ष उपचुनावों का जिक्र करते हुए जगन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, एक छोटे से मंडल परिषद चुनाव में भी जिस तरह से लोकतंत्र की बेरहमी से हत्या की जा रही है, वह तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की मनमानी और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के खतरनाक स्वभाव को उजागर करता है। उन्होंने चुनाव को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बजाय शक्ति प्रदर्शन का जरिया बना दिया है।

वाईएसआरसीपी ने विंजामुरु और बोम्मनहल्ली उपचुनावों को रद्द करने और स्वतंत्र व निष्पक्ष माहौल में दोबारा चुनाव कराने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री जगन ने सोमवार को आरोप लगाया कि नेल्लोर जिले के उदयगिरि निर्वाचन क्षेत्र में वाईएसआरसीपी के उम्मीदवारों को रोका गया, उन पर हमला किया गया और उन्हें वोट डालने से रोका गया। उन्होंने कहा कि एक महिला एमटीपीसी उम्मीदवार लहूलुहान हो गई, जबकि एक अन्य सदस्य का अपहरण कर लिया गया और एक अन्य को पुलिस हिरासत में ले लिया गया। जगन के अनुसार, इन घटनाओं का मकसद निर्वाचित प्रतिनिधियों को वोट देने से रोकना था, जो 'डर और ताकत के दम पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने की एक साजिश' है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही और गठबंधन सरकार के नेताओं के दबाव में काम करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा करने में नाकाम रही।

रेड्डी ने कहा कि ऐसी ही स्थिति रायदुर्गम निर्वाचन क्षेत्र में भी रही, जहां वाईएसआरसीपी के सदस्यों को कथित तौर पर कैद कर लिया गया ताकि मंडल परिषद अध्यक्ष का चुनाव जबरन पूरा किया जा सके।

फिलहाल, सत्ताधारी तेदेपा की ओर से इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पुलिस ने 200 करोड़ रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी में लिप्त गिरोह का भंडाफोड़ किया

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस ने विदेशी मुद्रा और सोने के कारोबार से जुड़ी ऑनलाइन योजनाओं के जरिए सैकड़ों लोगों से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी को अंजाम देने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने अब तक महाराष्ट्र से सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जो देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज 50 से अधिक आपराधिक मामलों से जुड़े हैं। पुलिस को संदेह है कि गिरोह के सरगना देश के बाहर से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते थे।

मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जालसाज वैवाहिक वेबसाइट और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से विश्वास जीतकर पीड़ितों को निशाना बनाते थे। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी वाली योजनाओं में निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता था। उन्होंने बताया कि पुलिस को अहम सफलता 12 नवंबर, 2025 को तब मिली जब धोखाधड़ी की शिकायत की जांच करते हुए मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर स्थित 'शिवसाई रेजिडेंसी लॉज एंड बोर्डिंग' पर छापेमारी की गई।

प्रभावी और सुलभ सार्वजनिक सेवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहा हिमाचल : सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि सार्वजनिक सेवाओं को सुलभ, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के प्रभावी उपयोग में हिमाचल प्रदेश अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है।

यहां मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने वाली सोसायटी (एसआईटीईजी) की आम सभा की बैठक को सोमवार शाम संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सबसे दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में भी अब अधिकांश सरकारी सेवाएं माउस के एक क्लिक पर उपलब्ध हैं। सुक्खू ने इसे सुशासन की दिशा में मील का पत्थर बताया।

मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा विकसित विभिन्न आईटी-आधारित अनुप्रयोगों और सॉफ्टवेयर की समीक्षा की और अधिकारियों को इन प्रणालियों को अधिक नागरिक-अनुकूल, सुरक्षित और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया।

विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विकसित 'हिम उपस्थिति' ऐप्लिकेशन की समीक्षा करते हुए, सुक्खू ने इसकी दक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को और बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों का 'हिम एक्सेस पोर्टल' पर पंजीकरण अनिवार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी कर्मचारियों को एक महीने के भीतर अपना पंजीकरण पूरा करने का निर्देश दिया। बयान के अनुसार, राजस्व सेवाओं तक अधिक सुगम पहुंच के लिए हिम सेवा पोर्टल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित दस्तावेज सत्यापन प्रणाली को एकीकृत किया जा रहा है।

मजबूत जोखिम प्रबंधन से भारतीय बैंकों का कामकाजी माहौल सुधरेगाः फिच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय बैंकों को आने वाले समय में रिजर्व बैंक की बेहतर निगरानी और मजबूत पर्यवेक्षण व्यवस्था का फायदा मिलने की उम्मीद है। इससे न सिर्फ बैंकिंग प्रणाली में जोखिम कम होंगे, बल्कि पूरे क्षेत्र का कामकाजी माहौल भी सुधरेगा। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने एक रिपोर्ट में कहा कि मजबूत आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं और महंगाई के जोखिमों में कमी आने के साथ ये बदलाव बैंकिंग क्षेत्र के लिए सकारात्मक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में तनावपूर्ण हालात से निपटने, जोखिमों की निगरानी और खराब कर्ज की वसूली से जुड़े नियामकीय ढांचे में काफी सुधार हुआ है। फिच ने कहा, वित्त वर्ष 2015-16 से 2017-18 के बीच गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में तेज बढ़ोतरी के पीछे जिन कमजोरियों की भूमिका थी, उन्हें अब काफी हद तक दूर कर लिया गया है। फिलहाल बैंकिंग प्रणाली के प्रमुख आंकड़े कई वर्षों की सबसे मजबूत स्थिति में हैं। बैंकिंग क्षेत्र के कुल कर्जों में एनपीए का अनुपात वित्त वर्ष 2017-18 के 11.2 प्रतिशत से घटकर 2025-26 की पहली छमाही में 2.2 प्रतिशत रह गया है। इसी तरह, बैंकों की पूंजी स्थिति भी बेहतर हुई है। इसके अलावा बैंक की वित्तीय मजबूती और संकट झेलने की क्षमता का पैमाना माना जाने वाला कॉमन इक्विटी टियर-1 अनुपात भी बढ़कर 14.8 प्रतिशत हो गया है, जो वित्त वर्ष 2013-14 में करीब 9.3% था। बैंकों की लाभप्रदता भी एशिया-प्रशांत क्षेत्र के समकक्ष देशों के अनुरूप है। हाल के वर्षों में परिसंपत्तियों पर प्रतिफल करीब

वह दिन दूर नहीं जब लद्दाख एकीकृत जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बन जाएगा : जावेद राणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद राणा ने मंगलवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लद्दाख एक बार फिर एकीकृत जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बन जाएगा, क्योंकि केंद्र के पास कोई अन्य विकल्प नहीं है। राणा ने जम्मू क्षेत्र के लिए एक अलग राज्य की मांग से संबंधित सवाल पर यह बात कही। राणा के पास जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के विभाग हैं।

राणा ने जनजातीय समुदायों के सदस्यों के साथ संवाद से इतर पत्रकारों से कहा, ''मुझे विश्वास है कि वह दिन दूर नहीं जब लद्दाख फिर से जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बन जाएगा, एकीकृत जम्मू-कश्मीर। भारत सरकार के पास इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है।'' यह याद दिलाते हुए कि एक समय जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य था, राणा ने कहा, ''आपने (केंद्र सरकार ने) इसका एक हिस्सा पाकिस्तान को दे दियागिलगित-बाल्तिस्तान भी पाकिस्तान को दे दिया गया। फिर आपने लद्दाख को उससे अलग कर दिया। अब हमारे पास जम्मू और कश्मीर में क्या बचा है। जिन्होंने इस भूमि को विभाजित किया, वे अब कनक मंडी (जम्मू का एक क्षेत्र) को भी राज्य बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम क्या कह सकते हैंपीर पंजाल या पूर्ववर्ती चिनाब क्षेत्रों से ऐसी कोई मांग नहीं आई है। अगर जम्मू के कनक मंडी से एक अलग राज्य बनाया जाता है तो इसे कौन रोकेगा?'' केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया। सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को भी समाप्त कर दिया।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देने संबंधी प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तीन हजार करोड़ रुपए का निवेश करने वाली इकाइयों को मामला-दर-मामला आधार पर प्रोत्साहन देने संबंधी प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में गए गए इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तीन हजार करोड़ रुपए का निवेश करने वाली इकाइयों को 'मामला-दर-मामला' आधार पर प्रोत्साहन देने सम्बन्धी प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने सहमति दे दी है। इस प्रोत्साहन में ब्याज सब्सिडी, कर्मचारी लागत प्रतिपूर्ति, राज्य वस्तु एवं सेवा कर में 10 साल तक की छूट, उत्तर प्रदेश के निवासी पेशेवर लोगों को अधिकतम दो हजार रुपए प्रतिमाह कर्मचारी भविष्य निधि की 100% की प्रतिपूर्ति, जल शुल्क में छूट और बिजली के बिल में भी डेढ़ रुपए प्रति यूनिट की प्रतिपूर्ति 10 साल के गए दिए जाने की व्यवस्था है।

जेएनयू में नारेबाजी पर कपिल मिश्रा- सांपों के फन कुचले जा रहे, संपोले बिलबिला रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मंत्रियों कपिल मिश्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाने की मंगलवार को आलोचना की।

उच्चतम न्यायालय द्वारा 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार करने के बाद नारेबाजी की यह घटना हुई।

विरोध प्रदर्शन के एक कथित वीडियो से पता चला कि अदालत द्वारा जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद सोमवार रात को जेएनयू के छात्रों के एक समूह ने विश्वविद्यालय परिसर के अंदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारे लगाए।

दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, ''सांपों के फन कुचले जा रहे हैं, संपोले बिलबिला रहे हैं। नक्सलियों, आतंकियों, दंगाइयों के समर्थन में नारे लगाने वाले हताश हैं क्योंकि उनके नापाक मंसूबे एक-एक करके ध्वस्त हो रहे हैं। इन अपराधियों का समर्थन करने वालों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए।''

कांग्रेस ने फिर उठाई अंकिता भंडारी मामले में सीबीआई जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग मंगलवार को फिर उठाई और कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सच को नहीं दबा सकती।

पार्टी प्रवक्ता और कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने एक वीडियो जारी कर कहा, ''अंकिता भंडारी को न्याय दो, इस नारे के साथ पूरा उत्तराखंड गूंज रहा है। पहाड़ की एक बेटी के साथ बहुत अन्याय हुआ है। इस मामले में सारे सबूत छिपाने के लिए तुरंत उस होटल पर बुलडोजर चला दिया गया, क्योंकि उसमें भाजपा के एक नेता का बेटा शामिल था।'' उन्होंने दावा किया कि अब एक सच सामने आ रहा है कि इस मामले की आंच भाजपा के एक वरिष्ठ नेता तक पहुंच रही है और पूरे उत्तराखंड के साथ ही भाजपा के लोग भी न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''उत्तराखंड की सरकार अंकिता भंडारी को न्याय नहीं दे सकती, क्योंकि ये सरकार चैन की नींद सो रही है।''

श्रीनेत ने कहा, ''इसलिए हमारी मांग है कि अंकिता भंडारी के मामले की पूरी जांच सीबीआई को सौंपी जाए। अंकिता को हर कीमत पर न्याय मिलना चाहिए और ये तभी होगा, जब सीबीआई इसकी जांच करेगी।''

वर्ष 2022 में पौड़ी जिले के वनंत्रा रिजॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करने वाली 19 वर्षीय अंकिता की रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों-सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। इस मामले में तीनों आरोपियों को सत्र न्यायालय उम्रकैद की सजा सुना चुका है।

ताजा विवाद उत्तराखंड के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी होने का दावा करने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर द्वारा हाल में सोशल मीडिया पर राठौर से उनकी कथित बातचीत के ऑडियो जारी करने से पैदा हुआ है, जिसमें सनावर ने आरोप लगाया है कि अंकिता हत्याकांड का 'वीआईपी' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'गट्टू' नाम का एक नेता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं खेल प्रशासक सुरेश कलमाड़ी का निधन

पुणे/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार तड़के पुणे में निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। कलमाड़ी के पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि उन्होंने करीब तीन बजकर 30 मिनट पर अंतिम सांस ली। राजनीति और खेल प्रशासन में उनका लंबा करियर रहा। भारत के सबसे प्रभावशाली खेल प्रशासकों में से एक कलमाड़ी दो दशकों से अधिक समय तक खेल प्रशासन में विभिन्न भूमिकाओं में रहे। भारतीय खेलों पर उनकी पकड़ ने सफलता और विवाद दोनों को जन्म दिया। वह रेल राज्य मंत्री भी रहे और उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दीं।

हिंदुओं की रक्षा करने में बांग्लादेश सरकार विफल : पंजाब भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के उपाध्यक्ष परमजीत सिंह कैंथ ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बांग्लादेश सरकार पिछले डेढ़ महीने में हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हत्याओं और हमलों को रोकने में विफल रही है।

स्थिति पर सवाल उठाते हुए कैंथ ने पूछा कि हाल ही में हिंदू नागरिकों की हत्याओं में त्वरित न्याय या मजबूत निवारक कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दी और मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद लक्षित हिंसा क्यों जारी रही। इन घटनाओं पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ये हमले इक्का-दुक्का अपराध की घटनाएं नहीं बल्कि लक्षित उत्पीड़न के एक पैटर्न का हिस्सा प्रतीत होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार इस तरह की घटनाएं गंभीर प्रशासनिक विफलता को दर्शाती हैं।

कैंथ ने ईशनिंदा के आरोपों के बाद दिसंबर में 27 वर्षीय दीपू चंद्र दास की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि बाद में ये आरोप झूठे साबित हुए। उन्होंने शरियतपुर जिले में 50 वर्षीय हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की हत्या का भी जिक्र किया, जिन्हें 31 दिसंबर को चाकू मारने के बाद आग के हवाले कर दिया गया। बाद में चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।

कैंथ ने नरसिंगदी जिले में एक हिंदू किराना दुकानदार की हत्या और जशोर में एक हिंदू पत्रकार और फैक्टरी मालिक की हत्या का भी जिक्र किया और कहा कि तीन सप्ताह से भी कम समय में कम से कम छह हिंदुओं की हत्या कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि लगातार हो रही हिंसा बांग्लादेश में भय, विस्थापन और हिंदू आबादी में गिरावट का कारण बन रही है।

राजनीतिक दलों से पैसे ले ले लीजिए, शौचालय बनाने पर खर्च कर दीजिए : ओवैसी

लातूर/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को कहा कि अगर मतदाताओं को लगता है कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा वितरित किया जा रहा पैसा अनैतिक है, तो वे इसे स्वीकार कर शौचालय निर्माण पर खर्च कर सकते हैं।

आगामी लातूर नगर निगम चुनाव के सिलसिले में एक रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर उसकी विदेश नीति को लेकर हमला किया। उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''एआईएमआईएम के चुनाव मैदान में उतरने के साथ ही प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों ने मतदाताओं के बीच नकद राशि बांटना शुरू कर दिया। अगर हमने उम्मीदवार नहीं उतारे होते, तो पैसा नहीं बांटा जाता... पैसा ले लीजिए और अगर आपको लगता है कि यह अनैतिक और 'हराम' (अवैध) है, तो इसका इस्तेमाल शौचालय बनाने में कीजिए।''

ओवैसी ने यह कहते हुए मुसलमानों से मजबूत राजनीतिक नेतृत्व बनाने का आह्वान किया कि अफसोस है कि अल्पसंख्यकों को छोड़कर हर समुदाय के पास राजनीतिक शक्ति है। उन्होंने कहा कि दलित और मुसलमान गरीब आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं लेकिन अबतक विकास उनके क्षेत्रों तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा,''भाजपा राष्ट्रवाद की बात करती है, लेकिन किसान मर रहे हैं, युवा बेरोजगार हैं और वह सिर्फ लव जिहाद की बात करती है।''

ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर चुप हैं,''जो एक हवाई जहाज में कहते हैं कि मोदी मुझे खुश करने के लिए निर्णय लेते हैं।''

चिक्कमगलुरु में मंगलवार को कार्यकर्ता कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की तस्वीरें पकड़े हुए हैं, क्योंकि सिद्दरामय्या रिकॉर्ड कार्यकाल पूरा करने वाले हैं।

सिद्दरामय्या को कार्यकाल पूरा करने का भरोसा, देवराज अर्स के रिकॉर्ड की बराबरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। सबसे लंबे समय तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहने के देवराज अर्स के रिकॉर्ड की मंगलवार को बराबरी करने वाले सिद्दरामय्या ने अपने पांच साल के कार्यकाल को पूरा करने का भरोसा व्यक्त करते हुए कहा कि इस पर कांग्रेस आलाकमान को फैसला करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जब आलाकमान उन्हें बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल फेरबदल के संबंध में चर्चा के लिए बुलाएगा तो वे उनसे इस बारे में बात करेंगे।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में, सिद्दरामय्या ने मंगलवार, छह जनवरी को देवराज उर्स के सबसे लंबे समय (2,792 दिन) तक सेवा करने वाले कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली और सात जनवरी को वह इसे पार कर लेंगे। यह अनूठा रिकॉर्ड ऐसे समय में सामने आया है जब सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया है और राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा कर लिया है। सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच 2023 में हुए सत्ता-साझाकरण समझौते ने इस अटकलबाजी को और हवा दी।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं को बताया, मैंने कोई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए राजनीति नहीं की है; यह महज एक संयोग है। मुझे नहीं पता था कि देवराज उर्स ने कितने साल और कितने दिन मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की। आज जनता के आशीर्वाद से मुझे देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका मिला है। कल यह रिकॉर्ड टूट जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे पांच साल का कार्यकाल पूरा करके एक और रिकॉर्ड बनाएंगे, तो उन्होंने कहा, यह कांग्रेस आलाकमान को तय करना है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि आलाकमान कब फैसला करेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अपना कार्यकाल पूरा करने का भरोसा है और क्या आलाकमान उनके पक्ष में फैसला करेगा, तो उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है। अगर मुझे भरोसा नहीं होता, तो मैं मुख्यमंत्री कैसे बन पाता?... यह सब आलाकमान के फैसले पर निर्भर करता है।

मैसूरु में सोमवार को एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के साथ अपनी मुलाकात के बारे में सिद्दरामय्या ने बताया कि कांग्रेस नेता वायनाड से मैसूरु होते हुए बेंगलूरु जा रहे थे और फिर दिल्ली के लिए रवाना होने वाले थे। उन्होंने कहा, क्योंकि वे मैसूरु में थे और मैं भी यहीं था, इसलिए हमारी मुलाकात हुई। मंत्रिमंडल में फेरबदल पर किसी भी तरह की चर्चा से इनकार करते हुए इस सवाल के जवाब में कि इसकी कब उम्मीद की जा सकती है, उन्होंने कहा, देखते हैं, उन्हें (आला कमान को) मुझे (चर्चा के लिए) बुलाने दीजिए, मैं चर्चा करूंगा। राज्य में सामाजिक न्याय और भूमि सुधारों के प्रतीक माने जाने वाले उर्स दो बार मुख्यमंत्री रहे – पहली बार 20 मार्च, 1972 से 31 दिसंबर, 1977 तक 2,113 दिनों के लिए और दूसरी बार 28 फरवरी, 1978 से 7 जनवरी, 1980 तक 679 दिनों के लिए। सिद्दरामय्या, जो अर्स के बाद पांच साल पूरे करने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री भी हैं, अपने पहले कार्यकाल में 13 मई, 2013 से 15 मई, 2018 तक 1,829 दिनों तक पद पर रहे। अपने दूसरे कार्यकाल में, 20 मई 2023 से अब तक, उन्होंने 963 दिन पूरे कर लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी किसी रिकॉर्ड के बारे में नहीं सोचा था और उन्होंने केवल यही सोचा था कि वे एक बार विधायक बन जाएं। उन्होंने कहा, मैं विधायक बना, मुझे अवसर मिले, मैं मंत्री बना, उपमुख्यमंत्री बना, विपक्ष का नेता बना और मुख्यमंत्री भी बना। मुझे अवसर मिले और मैंने अपने कर्तव्यों का निर्वाह किया। उन्होंने कहा, देवराज अर्स और मैं दोनों मैसूरु से हैं, लेकिन हमारे कार्यकाल अलग-अलग रहे हैं। वे (अर्स) 1972 से 1980 तक मुख्यमंत्री रहे। मैं 2013 से 2018 और 2023 से अब तक दो बार मुख्यमंत्री रह चुका हूं। आगे, आलाकमान जो भी निर्णय लेगा, वही होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा से वहसंतुष्ट हैं और जनता की सेवा करना उन्हें खुशी देता है। उन्होंने कहा, राजनीति का अर्थ है गरीबों, दलितों, पिछड़ों के लिए न्याय करना और उनके हितों की रक्षा करना। सिद्दरामय्या ने जोर देकर कहा कि जनता के आशीर्वाद से ही उनकी राजनीतिक प्रगति हुई है, लेकिन समाज में अब भी असमानता मौजूद है, और जब तक यह असमानता दूर नहीं हो जाती और सभी को सामाजिक न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा और वे जनता की सेवा करते रहेंगे। सिद्दरामय्या के प्रशंसकों ने अपने नेता की इस उपलब्धि का जश्न कई स्थानों पर दावतों का आयोजन करके मनाया, जिसमें उनके पसंदीदा नाटी कोली (देसी मुर्गा) से बने व्यंजन परोसे गए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए और इस सवाल के जवाब में कि वह 'नाटी कोली' व्यंजनों के एक तरह के ब्रांड एंबेसडर बन गए हैं, सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है और न ही उन्हें यह पता है कि दावतों का आयोजन कौन कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं एक गांव से हूं और हमारे गांव में आमतौर पर रिश्तेदारों के आने पर नाटी कोली बनाई जाती थी, इसलिए मैं पहले नाटी कोली और रागी मुड्डे खाता था, अब थोड़ा कम खाता हूं। गांव के कई लोगों को यह मेरी तरह पसंद है, लेकिन चूंकि मैं मुख्यमंत्री हूं, इसलिए इसे थोड़ा प्रचार मिल रहा है।

सिद्दरामय्या ने पांच साल का मुख्यमंत्री कार्यकाल पूरा करने का भरोसा जताया, शिवकुमार ने शुभकामनाएं दीं

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के पांच साल का कार्यकाल पूरा करने का भरोसा जताने के बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को उन्हें शुभकामनाएं दीं। सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में पांच साल का कार्यकाल पूरा करने का भरोसा है, लेकिन इस संबंध में अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान पर निर्भर करेगा। मुख्यमंत्री की टिप्पणियों से जुड़े सवाल के जवाब में शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, अच्छी चीजें होनी चाहिए। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। गुड लक। यह पूछे जाने पर कि क्या सिद्दरामय्या की टिप्पणियों से भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है, उपमुख्यमंत्री ने कहा, आप (मीडिया) भ्रम पैदा कर रहे हैं। हमें कोई भ्रम नहीं है। भ्रम आपको है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। गुड लक।

शिवकुमार ने सबसे लंबे समय तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद पर रहने के देवराज उर्स के रिकॉर्ड की मंगलवार को बराबरी करने के लिए भी सिद्दरामय्या को बधाई दी।

सिद्दरामय्या ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के जरिये छह जनवरी को इस पद पर 2,792 दिन पूरे किए, जो उर्स के रिकॉर्ड के बराबर है। वह सात जनवरी को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद पर सबसे लंबे समय तक सेवाएं देने वाले व्यक्ति बन जाएंगे। सिद्दरामय्या की इस उपलब्धि पर शिवकुमार ने कहा, मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं। ईश्वर उन पर अपना आशीर्वाद बनाए रखे। मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें अच्छा स्वास्थ्य और जनता की सेवा करने का अवसर प्रदान करे।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पिछले साल 20 नवंबर को पांच वर्ष के कार्यकाल का आधा पड़ाव पूरा करने के बाद नेतृत्व में संभावित बदलाव की अटकलों के बीच पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया था। साल 2023 में कांग्रेस सरकार के गठन के समय सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते की खबरों के चलते नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को हवा मिली है।

आंदोलन

बेंगलूरु में मंगलवार को बोधगया के महाबोधि मंदिर पर पूरे बौद्ध कंट्रोल की मांग करते हुए बौद्ध समुदाय के लोग 'महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन' में हिस्सा लेते हुए।

कर्नाटक की अदालतों को मिली बम की धमकी, परिसर खाली करवाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/धारवाड़, छह जनवरी (भाषा) कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ और राज्य भर की कई जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मंगलवार को प्राप्त हुए, जिसके बाद दहशत फैल जाने से प्राधिकारियों ने एहतियातन परिसरों को खाली करा लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। धमकियां मिलने के बाद, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, मुवक्किलों और अदालत के कर्मचारियों को परिसर से बाहर निकाल लिया गया तथा सुनवाइयां अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई। पुलिस ने बताया कि उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ के अलावा, मैसूरु, गदग और बागलकोट की जिला अदालतों को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते और स्वान दस्ते को मौके पर भेजा गया तथा परिसर की गहन तलाशी ली गई। पुलिस ने कहा, ''किसी भी स्थान पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।''

पुलिस ने बताया कि संबंधित जिला थानों में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले, बेंगलूरु के कोरमंगला स्थित पासपोर्ट कार्यालय को भी इसी तरह की बम की धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ था। सूचना मिलने के बाद, पुलिस और बम निरोधक दस्तों ने परिसर में सुरक्षा जांच की। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एहतियातन लालबाग रोड स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र पर भी सुरक्षा जांच की गई और वहां कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली जिसके बाद धमकी झूठी निकली। पुलिस ने बताया कि पासपोर्ट अधिकारी की शिकायत के आधार पर कोरमंगला थाने में मामला दर्ज किया गया है।

परमेश्वर ने बल्लारी गोलीबारी मामले में दो बार पोस्टमार्टम के दावों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि बल्लारी घटना में मृतक का पोस्टमार्टम दो बार किया गया था, और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा लगाए गए आरोपों को भी नकार दिया। कुमारस्वामी ने सोमवार को कर्नाटक सरकार पर हाल में हुई बल्लारी गोलीबारी की घटना को दबाने के लिए सुनियोजित साजिश का आरोप लगाया था और कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की थी। परमेश्वर ने यहां अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए

राजनीतिक नेताओं को उचित सत्यापन के बिना बयान देने को लेकर आगाह किया और कहा कि बिना सोचे-समझे की गई टिप्पणियों के अनपेक्षित सामाजिक परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा, पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह दो बार नहीं किया गया था। जो लोग दो बार पोस्टमार्टम होने का दावा कर रहे हैं-क्या उन्होंने इसे देखा भी है? जब डॉक्टरों ने बयान दिया है, तो हमें किसका विश्वास करना चाहिए? मैं डॉक्टरों के इस बयान को स्वीकार करता हूं कि पोस्टमार्टम दो बार नहीं किया गया था।

बल्लारी में भाजपा विधायक जी जनार्दन रेड्डी के आवास के पास बैनर लगाने को लेकर कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसा के दौरान कथित तौर पर निजी बंदूकधारियों द्वारा की गई गोलीबारी में कांग्रेस कार्यकर्ता राजा शेखर की मौत हो गई। यह बैनर चार जनवरी को बल्लारी में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के अनावरण से संबंधित था।

सिद्दरामय्या का जनता परिवार के नेता से सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बनने तक का सफर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ 'कुर्सी' को लेकर कई दिनों तक चली खींचतान के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्दरामय्या कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का एक अनूठा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर हैं। 'जनता परिवार' से दो दशक से अधिक समय तक जुड़े रहे और अतीत में कांग्रेस-विरोधी तेवरों के लिए जाने जाने वाले 77 वर्षीय सिद्दरामय्या ने सबसे लंबे समय तक कर्नाटक का मुख्यमंत्री रहने के मामले में दिवंगत नेता देवराज उर्स के रिकॉर्ड की मंगलवार को बराबरी कर ली। मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में सिद्दरामय्या ने 2,792 दिन पद पर रहकर, राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के मामले में उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है और सात जनवरी से यह रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हो जाएगा।

राज्य में सामाजिक न्याय और भूमि सुधारों का प्रतीक माने जाने वाले उर्स राज्य के दो बार (1972-1977, 1978-1980) मुख्यमंत्री रहे। सिद्दरामय्या उर्स के बाद पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाले राज्य के एकमात्र मुख्यमंत्री हैं। सिद्दरामय्या अपने पहले कार्यकाल में 13 मई 2013 से 15 मई 2018 तक 1,829 दिन पद पर रहे। अपने दूसरे कार्यकाल में 20 मई, 2023 से अब तक उन्होंने 963 दिन पूरे कर लिए हैं। हालांकि दूसरे कार्यकाल में शिवकुमार के समर्थकों ने कथित सत्ता-साझेदारी फॉर्मूले के तहत उपमुख्यमंत्री को मुख्यमंत्री बनाए जाने की जोरदार मांग कर इस रिकॉर्ड में बाधा बनने की कोशिश की थी।

गरीब किसान परिवार से संबंध रखने वाले सिद्दरामय्या 1980 के दशक की शुरुआत से 2005 तक कट्टर कांग्रेस विरोधी रहे लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की जनता दल-सेक्युलर (जद-

एस) से निकाले जाने के बाद वह राजनीतिक चौराहे पर आ खड़े हुए और उसी पार्टी में शामिल हो गए जिसके वह विरोधी रहे थे। सिद्दरामय्या ने अपने धैर्य और दृढ़ता के बूते अपने जीवन की महत्वाकांक्षा पूरी की और 2013 में मुख्यमंत्री बने। अपनी बेबाकी के लिए जाने जाने वाले नौ बार के विधायक सिद्दरामय्या 2023 में एक और कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनाए गए। सिद्दरामय्या ने मुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल अंतिम बार पूरा करने की अपनी महत्वाकांक्षा को कभी नहीं छिपाया और वह एक शानदार विदाई की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, चुनावी राजनीति में बने रहने के बारे में उन्होंने मिले-जुले संकेत दिए हैं।

सिद्दरामय्या कांग्रेस के दिग्गजों को पछाड़कर मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 2023 में शिवकुमार को और एक दशक पहले एम मल्लिकार्जुन खरगे (अब अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष) को पछाड़कर मुख्यमंत्री पद हासिल किया। राज्य में 2004 में खंडित जनादेश के बाद कांग्रेस और जद(एस) ने गठबंधन सरकार बनाई और उस समय जद(एस) में रहे सिद्दरामय्या को उपमुख्यमंत्री बनाया गया जबकि कांग्रेस के एन धर्म सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया।

सिद्दरामय्या को यह मलाल रहा कि तब उनके पास राज्य का नेतृत्व करने का अवसर था लेकिन देवेगौड़ा ने उनकी संभावनाओं पर पानी फेर दिया। कर्नाटक की तीसरी सबसे बड़ी जाति कुरुबा से संबंध रखने वाले सिद्दरामय्या ने इसके बाद 2005 में खुद को पिछड़ा वर्ग के नेता के रूप में स्थापित करने का विकल्प चुना और अहिंदा (अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित के लिए कन्नड़ का संक्षिप्त शब्द) सम्मेलनों का नेतृत्व किया। संयोग से उसी समय पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के बेटे एच डी कुमारस्वामी को पार्टी के उभरते सितारे के रूप में देखा जा रहा था।

सिद्दरामय्या को जद(एस) से निकाल दिया गया जिसमें वह पहले राज्य इकाई के प्रमुख रह चुके थे। पार्टी के आलोचकों ने उस समय दावा किया था कि देवेगौड़ा, कुमारस्वामी को आगे बढ़ाना चाहते थे इसलिए सिद्दरामय्या को हटाया गया। पेशे से वकील सिद्दरामय्या ने उस समय राजनीतिक संन्यास' की बात की और वकालत में लौटने पर भी विचार किया। उन्होंने क्षेत्रीय दल बनाने की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि वे इसके लिए धनबल नहीं जुटा सकते। तब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने उन्हें अपनी-अपनी पार्टी में शामिल करने के प्रयास किए। सिद्दरामय्या ने कहा कि वह भाजपा की विचारधारा से सहमत नहीं हैं और वह 2006 में अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। कुछ साल पहले तक ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता था कि सिद्दरामय्या कांग्रेस में शामिल होंगे। वह 2004 में मुख्यमंत्री बनने का मौका बेहद करीबी अंतर से चूक गए। उस समय जे एच पटेल को मुख्यमंत्री बनाया गया और उनकी मंत्रिपरिषद में सिद्दरामय्या उपमुख्यमंत्री रहे। देवेगौड़ा और पटेल के कार्यकाल में उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में काम किया। सिद्दरामय्या के नाम राज्य के 16 बजट पेश करने का विशिष्ट रिकॉर्ड है। सिद्दरामय्या डॉ राम मनोहर लोहिया के समाजवादी आदर्शों से प्रभावित रहे।

मैसूरु के चामुंडेश्वरी विधानसभा क्षेत्र से लोक दल पार्टी के टिकट पर 1983 में चुनाव जीतकर विधानसभा में पदार्पण करने वाले सिद्दरामय्या बाद में तत्कालीन सत्तारूढ़ जनता पार्टी में शामिल हो गए। उन्हें 1989 और 1999 में विधानसभा चुनाव और 1991 में लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस में शामिल होने के बाद 2008 में वह कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) की चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष रहे। उस चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद वह विपक्ष के नेता बने और उन्होंने भ्रष्टाचार, घोटालों एवं अवैध खनन को लेकर भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला।

प्रशासनिक दक्षता के लिए जाने जाने वाले सिद्दरामय्या ने 2013-18 के बीच कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में सफल पांच वर्षीय कार्यकाल का नेतृत्व किया। कांग्रेस को 2018 में हार का सामना करना पड़ा। उस समय सिद्दरामय्या स्वयं 2018 में मैसूरु की चामुंडेश्वरी सीट पर जद(एस) के जी टी देवेगौड़ा से 36,042 मतों से हार गए थे लेकिन उन्होंने बागलकोट जिले की बादामी सीट से जीत हासिल की थी। सिद्दरामय्या 2018 के चुनाव के बाद कांग्रेस-जद(एस) सरकार की गठबंधन समन्वय समिति के प्रमुख रहे और भाजपा के सत्ता में आने के बाद वह नेता प्रतिपक्ष बने। सिद्दरामय्या ने घोषणा की 2023 के बाद वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

भाजपा 'वीबी-जी राम जी' के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वीबी-जी राम जी' अधिनियम के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जल्द ही राज्यव्यापी अभियान शुरू करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विजयेंद्र ने बताया कि राज्यव्यापी अभियान शुरू करने का फैसला इसलिए लिया गया है, क्योंकि कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) के बारे में गलत सूचना फैला रही है।

संसद ने विपक्ष के हंगामे के बीच पिछले साल 18 दिसंबर को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक 2025' को मंजूरी दे दी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद इस विधेयक ने अधिनियम की शक्ल अख्तियार कर ली। यह अधिनियम संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल के दौरान लागू महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेगा।

विजयेंद्र ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भाजपा वीबी-जी राम जी के बारे में जागरूकता अभियान शुरू करेगी। हमने एक राज्य स्तरीय टीम का गठन किया है, जिसमें पार्टी के प्रदेश महासचिव कुडाची राजीव और सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी व ईरण्ण कडाडी शामिल हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बताया, जिला और तालुक स्तर की टीमें भी होंगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मकसद 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम के बारे में जानकारी राज्य के हर गांव तक पहुंचाना है, ताकि लोगों के बीच कोई भ्रम न रहे।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी)
निर्माण एवं रखरखाव प्रभाग,
एलपीएससी परिसर, 80फ़ीट रोड, एचएएल II स्टेज, बेंगलूरु-560008, फ़ोन नंबर: 080-25037203/ 080-25037214

दिनांक : 06.01.2026

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नांकित कार्यों के लिए मद-दर निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं एनआईटी नं. एवं दिनांक	निविदा की अनुमानित लागत	ईएमडी	पूरा करने की अवधि
01	एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलूरु में इंटीग्रेटेड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) एनेक्स बिल्डिंग (वर्टिकल एक्सटेंशन तीसरी मंजिल, ब्लॉक-बी, मुख्य बिल्डिंग) का निर्माण-विद्युत कार्य. ई-निविदा क्र. एलपीएससी(बी)/सीएमडी/01/1002/ई/एमजे/003/2025-26 दिनांक : 06.01.2026	रु.34.57 लाख	रु.69,140/-	04 माह
	डाउनलोड करने की अवधि : 07.01.2026 से 16.01.2026 तक			

इच्छुक निविदाकार पात्रता मानदंड के लिए www.tenderwizard.com/ISRO विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें और अन्य ब्यौरे के लिए वेबसाइट देखें www.isro.gov.in, www.lpsc.gov.in से निविदा प्रलेख डाउनलोड करें।

ह/- समूह प्रमुख - एलपीएससी(बी)

प्रदेश में स्टार्टअप के लिए बेहतर ईको सिस्टम विकसित कर रही हमारी सरकार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान सदी में मानवता के लिए एक नया कोड-एक नई भाषा लिख रहा है। उन्होंने एआई को प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण घटक बताते हुए कहा कि इसके विवेकपूर्ण उपयोग से सरकार ई-गवर्नेंस और डिजिटल समावेशन को और अधिक व्यापक एवं जन केन्द्रित बना रही है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन लाकर लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है और विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने उद्यमियों, निवेशकों और युवाओं को एआई के उभरते क्षेत्र में सहभागी बनने के लिए राजस्थान में आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश एआई के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री का मानना है कि एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि 21वीं सदी में राष्ट्रीय शक्ति और समृद्धि का आधार है। एआई देश की नीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और सामाजिक संरचना को बेहतर स्वरूप दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तकनीक और स्टार्टअप के सशक्त इकोसिस्टम के निर्माण के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार द्वारा लाई गई एआई-एमएल पॉलिसी से एआई सिस्टम अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और निजता-संरक्षण के प्रति जवाबदेह बनेंगे। इस नीति से सार्वजनिक सेवा वितरण अधिक त्वरित, नागरिक-केंद्रित और पारदर्शी होगा तथा प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि एआई से जुड़े साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग और समाधान की प्रक्रिया सरल की जाएगी, प्रदेश में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होगा तथा स्कूलों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और कॉलेजों में एआई शिक्षा को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उद्योग, स्टार्टअप और रिसर्च संस्थानों को भी विशेष प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे।

केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा करते हुए कहा कि राजस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संगठनों के सहयोग से नए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके तहत राज्य में 5 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, आने वाले समय में राजस्थान में डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए शीघ्र ही आवश्यक प्रक्रियाएं प्रारंभ होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विशेष फोकस के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों में रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है। बीकानेर से जैसलमेर और सीमावर्ती इलाकों तक रेल नेटवर्क को मजबूत करने के कार्य प्रगति पर हैं, जिससे सुरक्षा, विकास और संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिफेस्ट ने स्टार्टअप्स को निवेशकों से, विद्यार्थियों को अवसरों से और उद्योग को सरकार से जोड़ डिजिटल राजस्थान का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन स्टार्टअप्स के लिए ग्लोबल गेटवे साबित हो रहे हैं, जहां फंडिंग के साथ-साथ विश्वस्तरीय मेंटर्स का मार्गदर्शन भी मिल रहा है। एआई-एमएल, फिनटेक, एग्रीटेक, एआर-वीआर और प्रॉपटेक जैसे क्षेत्रों में विचार-विमर्श से नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 6 करोड़ 50 लाख से अधिक मोबाइल उपयोगकर्ता हैं और हर माह औसतन 81 हजार करोड़ रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं। ऑनलाइन सेवाओं के बढ़ते उपयोग को देखते हुए साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन एंटी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी, डेटा सेंटर नीति 2025, अटल इनोवेशन स्टूडियो, स्टार्टअप लॉन्चपैड, लीप प्रोग्राम और सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग जैसी पहलों से प्रदेश में रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है। एआई के विस्तार के साथ-साथ भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हुए निवेश समझौतों में से बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। निवेश अनुकूल वातावरण, नई नीतियों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और राजनिवेश पोर्टल के कारण राजस्थान निवेशकों के लिए शीर्ष राज्यों में शामिल हुआ है। प्रवासी राजस्थानियों के लिए बनाई गई नीति और विभाग से उन्हें प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिल रहा है।

केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय में मानव जीवन का अभिन्न अंग बनेगा और हर व्यक्ति, हर घर तथा हर उद्यम तक इसकी पहुंच होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में एआई को समावेशी, सुलभ और जनोपयोगी बनाने की दिशा में ठोस और दूरदर्शी कदम उठाए जा रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कम समय में भारत ने एआई मशीनों और तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है और आज देश की एआई क्षमताएं विश्व स्तर पर चर्चित है। एआई कंप्यूट सुविधा को 'जन-जन' तक पहुंचाने के उद्देश्य से कॉमन कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जिसके अंतर्गत देशभर में कम लागत पर उन्नत कंप्यूट संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार मानवता पर कलंक : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को मानवता पर कलंक बताया है। इसके साथ ही उन्होंने इस पड़ोसी देश के भारत के खिलाफ होने को केंद्र सरकार की कूटनीतिक विफलता करार दिया है। गहलोत ने मंगलवार को 'एक्स' पर लिखा कि बांग्लादेश से आ रही हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता की खबरें विचलित करने वाली हैं। उन्होंने लिखा कि महज 19 दिनों में पांच हिंदुओं की हत्या एवं वहां महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार मानवता पर कलंक हैं।

उन्होंने कहा, 1971 के उस दौर की यादें आज भी ताजा है जब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने न केवल कूटनीतिक कड़ापन दिखाया था, बल्कि अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से इतिहास और भूगोल दोनों बदल दिए थे। उन्होंने अमेरिका जैसी महाशक्ति तक की परवाह नहीं की जिसने भारत के खिलाफ अपना सातवां बेड़ा रवाना कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, यह भी चिंताजनक है कि ऐसा देश जिसका निर्माण ही भारत ने किया था वह भारत के खिलाफ हो गया है। यह भारत सरकार की कूटनीतिक विफलता है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को 'गहरी चिंता' व्यक्त करने जैसे रस्मी बयानों से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने चाहिए।

पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के जीवन और मान-सम्मान की रक्षा करना हमारी नैतिक और कूटनीतिक जिम्मेदारी है। गहलोत के अनुसार, इतिहास गवाह है कि मात्र खोखले नारों से नहीं, बल्कि निर्णायक नेतृत्व से ही निर्दोषों की जान बचाई जा सकती है। प्रधानमंत्री जी को इस मामले में हस्तक्षेप कर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर प्रभावी दबाव बनाना चाहिए।

सरकारी स्कूलों की सफाई व्यवस्था पंचायत राज विभाग संभालेगा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में सरकारी विद्यालयों में शौचालयों की साफ-सफाई और विद्यालय परिसर की नियमित सफाई का कार्य पंचायत राज विभाग कराएगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर इस संबंधम में पंचायत राज विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) निदेशालय ने राज्य के सभी राजकीय विद्यालय परिसरों और शौचालयों की नियमित साफ-सफाई के लिए आदेश जारी किए हैं। मिशन की निदेशक सलोनी खेमका द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सभी राजकीय विद्यालयों के बाहर और कक्षाओं के बाहर, अर्थात चारदीवारी के भीतर स्थित सार्वजनिक परिसरों में कचरा संग्रहण का कार्य ठेकेदारों के माध्यम से कराया जाएगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित राजकीय विद्यालय परिसरों और शौचालयों की साफ-सफाई ठीक ढंग से की जा सके। आधिकारिक बयान के अनुसार, शुरुआत में 77 पीएमविद्यालयों में स्वच्छता कार्य शुरू किया जा रहा है। इसके बाद पंचायतें अपने-अपने क्षेत्र के सभी विद्यालयों में भी स्वच्छता कार्य कराएंगी।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में लगातार कड़ाके की सर्दी से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य के अनेक इलाके शीतलहर की चपेट में हैं और राजधानी जयपुर सहित अनेक जिलों के विद्यालयों में छुट्टियां कर दी गई हैं। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट आने तथा घना कोहरा छाए रहने का अनुमान व्यक्त किया है।

मौसम केंद्र जयपुर ने मंगलवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में अनेक जगह घना कोहरा दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी घना कोहरा छाया रहा। राज्य के अनेक इलाकों में लगातार शीत लहर एवं शीत दिवस दर्ज किया गया है। बीते चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान डूंगरपुर में 3.0 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में 4.1 डिग्री, माउंट आबू में 4.4 डिग्री, पाली में 4.7 डिग्री, गंगानगर में 5.1 डिग्री, फतेहपुर में 6.7 डिग्री एवं जयपुर में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर इस मौसम में पहली बार घना कोहरा देखा गया।

बीकानेर, कोटा एवं उदयपुर संभाग में अनेक जगह घना कोहरा छाया रहा। तापमान में गिरावट और धूप नहीं निकलने के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजमार्ग पर वाहन धीमी गति से चलते दिखे। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया और प्रशासन ने शहरों में कई जगह 'रैन बसेरे' बनाए हैं। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में आगामी सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आने वाले दिनों में अनेक जगह सुबह के समय घना कोहरा एवं शीत दिवस दर्ज होने की संभावना है।

इसके साथ ही आगामी एक-दो दिन में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट होने एवं राज्य के उत्तरी भागों में शीतलहर चलने की संभावना है। प्रशासन ने राज्य में शीतलहर जारी रहने की चेतावनी को देखते हुए जयपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़ एवं सीकर सहित दर्जन से अधिक जिलों में विद्यालयों में विशेष रूप से प्राथमिक कक्षाओं में शीतकालीन छुट्टियों की अवधि बढ़ा दी हैं।

भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय वन सेवा2024 बैच (राजस्थान कैडर) के सात प्रशिक्षु अधिकारियों ने मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अपनी अनोखी जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध राजस्थान में वृहत मरुस्थल के साथ ही वन क्षेत्र की भी पर्याप्तता है, यहां विश्व विख्यात अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान न केवल दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण करते हैं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी होने के नाते आप स्वयं पर विश्वास रखते हुए युवा सोच और नवीन विचारों के साथ कार्य करें तथा प्रदेश की अमूल्य वन संपदा के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है, जहाँ इस सेवा के दौरान अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरीदोनों क्षेत्रों में कार्य करने का व्यापक और बहुआयामी अनुभव प्राप्त होता है। संवाद के दौरान उन्होंने अपने प्रशिक्षण काल से जुड़े अनुभव एवं संस्मरण प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ साझा किए तथा राजस्थान में समय के साथ हुए सकारात्मक परिवर्तनों पर चर्चा की। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से प्रदेश में वाटरशेड विकास, प्रजाति संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण एवं वन क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की।

मुख्य सचिव ने राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु संचालित 181 हेल्पलाइन का उदाहरण देते हुए कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध रूप से, सामान्यतः 20 दिनों के भीतर ही निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि इसी तरह आपको भी प्रशासनिक सेवा के माध्यम से आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनना, समझना और उनका समाधान करने की दिशा में कार्य करना है तथा नियमों एवं मर्यादा का पालन करते हुए प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) श्रीमती शिखा मेहरा मौजूद रहीं।

तिलोनीया के मध्य सोलर दीदी प्रशिक्षण एवं आजीविका सशक्तिकरण हेतु एमओयू हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) एवं -ललशर्नी कॉलेज, तिलोनीया (अजमेर) के मध्य मंगलवार को एक गैर-वित्तीय समझौता ज्ञापन (चेण) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक, राजीविका एवं सौम्या किदाम्बी, निदेशक एवं सीईओ, बयरफुट कॉलेज के मध्य संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम श्रीमती श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर श्रीमती पुष्पा सत्यानी, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रीमती प्रीती सिंह, परियोजना निदेशक (प्रशासन), राजीविका भी उपस्थित रहीं। साथ ही राज्य परियोजना प्रबंधक एवं राजीविका के अन्य अधिकारीगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस समझौते का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हें समुदाय-स्तरीय सौर मरम्मत एवं अनुरक्षण तकनीशियन के रूप में सशक्त बनाना है।

इस पहल के अंतर्गत राजीविका के स्वयं सहायता समूह नेटवर्क से चयनित महिलाओं को बयरफुट कॉलेज, तिलोनीया में 40 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा-आधारित शिक्षण के साथ-साथ उपकरण संचालन, सुरक्षा प्रशिक्षण, वायरिंग, ट्रबलशूटिंग, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस तथा फील्ड एक्सपोज़र को शामिल किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सौर प्रणालियों की दीर्घकालिक कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के साथ-साथ महिलाओं के लिए स्वच्छ ऊर्जा आधारित आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करना है।यह सहयोग घरेलू एवं सामुदायिक सौर प्रणालियों के अनुरक्षण तंत्र को मजबूत करेगा तथा पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना सहित विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के अंतर्गत स्थापित सौर अवसंरचना के प्रभावी उपयोग, समयबद्ध मरम्मत सेवाओं एवं ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देगा। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षित सोलर दीदियों को पंचायतों, सामुदायिक संस्थानों एवं ग्रामीण परिवारों से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे, जिससे उन्हें स्वरोजगार एवं सेवा-आधारित आय के अवसर प्राप्त हो सकें।

राजीविका का कहना है कि यह समझौता महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ ऊर्जा आधारित आजीविका सृजन तथा समावेशी ग्रामीण विकास के प्रति दोनों संस्थाओं की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है और ग्रामीण राजस्थान में सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

कंज्यूमर-फर्स्ट तथा सेलर-फर्स्ट कल्चर से बढ़ाएं विश्वास

जयपुर। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के तीसरे दिन मंगलवार को मुग्धा हॉल में ट्रूवर्थ वेलनेस के फाउंडर राजेश मुंदड़ा के साथ पैनल चर्चा में उद्यमियों तथा विशेषज्ञों ने उपभोक्ता प्लेटफॉर्म्स के भविष्य पर प्रकाश डाला। पैनल में मुख्य वक्ता के रूप में शिपरॉकेट के क्रॉस बॉर्डर कॉमर्स के सीईओ अक्षय गुलाटी तथा टाटा 1एमजी के संस्थापक प्रशांत टंडन शामिल हुए। चर्चा में विशेषज्ञों ने कंज्यूमर प्लेटफॉर्म्स का भविष्य डिजिटल 'क्लिक्स' से आगे बढ़कर वास्तविक 'केयर' के रूप में परिभाषित किया। विशेषज्ञों ने कहा कि प्लेटफॉर्म्स को मात्र 'पैसिव टेक मिडिएटर' की भूमिका न निभाते हुए ग्राहकों की संतुष्टि की पूर्ण जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक विश्वास अर्जित करने के लिए कंज्यूमर-फर्स्ट तथा सेलर-फर्स्ट कल्चर बनाना जरूरी है। इसमें जवाबदेही, सम्मान और निरंतर सेवा का भी समावेश होना चाहिए।

विशेषज्ञों ने कहा कि जहां 'क्लिक्स' एंगेजमेंट बढ़ाते हैं, वहीं 'केयर' कंज्यूमर रिटेंशन तथा सस्ते विकल्पों के बावजूद पेमेंट करने की इच्छा को प्रेरित करते हैं। जैसे-जैसे प्लेटफॉर्म्स का विस्तार होता है, इस 'केयर' को अपनी मजबूत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसेस तथा सिस्टम्स के माध्यम से और आगे बढ़ाया जा सकता है।

सायला में नि:शुल्क पशु शल्य चिकित्सा शिविर में 1945 पशुओं का हुआ उपचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर। जिले के सायला उपखंड ुखाल पर नवीन बस स्टेंड स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय में गुरुवार को संघवी स्व. सुमटीबाई भबूतमल भंडारी परिवार एवं पशुपालन विभाग जालोर के सुंक्त तत्वावधान तीन दिवसी द्वितीय नि:शुल्क पशु शल्य चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर का आयोजन हुआ। इस तीन दिवसीय शिविर में कुल 1945 पशुओं का उपचार कर पशुपालकों राहत प्रदान की गई। कार्यक्र के मुख्य अतिथि तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी थी, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदयसिंह दादाल ने की। इस मौके पर अतिथि की रूप में पूर्व प्रधान रामप्रकाश चौधरी, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष रविन्द्रसिंह बालावत, सुंक्त निदेशक डॉ गणपतसिंह सोढा,भाजपा मंडल अध्यक्ष नैनमल लखारा, भाजपा नेता गणपतसिंह बगेड़ियां भामाशाह चंपालाल भंडारी सहित अनेक जनों ने भगवान महावीर की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। मुख अतिथि ने पशुपालकों को ोजनाओं का लाभ लेने की बात कही। संयुक्त निदेशक सोढ़ा ने कहा कि भंडारी परिवार के सौजन से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख में पशुपालकों को लाभ प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि सम समय पर विभाग इस प्रकार के शिविरों के आयोजन के लिए तैार है साथ ही उन्होंने विभिन्न विभागी योजनाओं की जानकारी दी। ङ्दानवीर चंपालाल भंडारी ने सभी का स्वागत देते हुए कहा कि पिता स्व. भबूतमलजी भंडारी की भावना के अनुरूप ूक पशु सेवा के लिए ह शिविर आयोजित करना हमारा सौभाग है। शिविर में सेवा देने वाले पशु चिकित्सा टी व अतिथियों का भंडारी परिवार की ओर से सम्मान किा गया। इस दौरान शिविर प्रभारी डॉ संज माली, चंपालाल भंडारी, सेवानिवृत संयुक्त निदेशक गणपतसिंह, कुइयांलाल जैन, प्रतीक भंडारी आदि अनेक जन उपस्थित थे।

सदाचार समिति के सामने फिर पेश हुए तीन विधायक

जयपुर। राजस्थान में 'विधायक निधि' जारी करने के बदले 'कमीशन' लेने के आरोप के मामले में तीन विधायक मंगलवार को यहां विधानसभा की सदाचार समिति के सामने फिर पेश हुए। समिति के अध्यक्ष कैलाश वर्मा ने बताया कि विधायकों ने अपना पक्ष व सबूत रखे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर समिति विधायकों को फिर से बुला सकती है। उल्लेखनीय है कि एक अखबार में प्रकाशित खबर में खींवसर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रेवंतराम डांगा, हिंडौन से कांग्रेस विधायक अनीता जाटव और बयाना से निर्दलीय विधायक रितु बनावत पर विधायक निधि से रकम मंजूर करने के बदले 'कमीशन' लेने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद विधानसभा की सदाचार समिति ने तीनों को नोटिस जारी कर इस मामले में 19 दिसंबर को पहली सुनवाई की थी। ये तीनों विधायक आज दूसरी बार समिति के सामने अलग-अलग पेश हुए। सदाचार समिति के अध्यक्ष वर्मा ने कहा,'' समिति ने दोनों पक्षों को सुना है।

आदित्यनाथ ने वीबी-जी राम जी के बारे में 'गलत जानकारी' फैलाने को लेकर विपक्ष पर बोला हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जिन्होंने 'दशकों तक देश के संसाधनों को लूटा और गरीबों और युवाओं को भूख और पलायन की ओर धकेला', वे अब ग्रामीण भारत को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए एक पारदर्शी सुधार पर सवाल उठा रहे हैं।

लखनऊ में राजग सरकार की एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि यह पत्रकार वार्ता नए लागू किए गए 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जी राम जी) अधिनियम-2025 के बारे में स्पष्टीकरण के लिए बुलाई गई है, जिसने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह ली है। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, और निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल (एस) सहित राजग के सहयोगी दलों के मंत्री शामिल हुए। कांग्रेस और 'इंडियन नेशनल

डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया गठबंधन) पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''जिन्होंने दशकों तक देश के संसाधनों को लूटा और गरीबों और युवाओं को भूख और पलायन की ओर धकेला, वे अब ग्रामीण भारत को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए एक पारदर्शी सुधार पर सवाल उठा रहे हैं।'' आदित्यनाथ ने इस कानून को गांव-केंद्रित विकास के लिए एक मील का पत्थर बताते हुए कहा,''यह कानून वीबी-जी राम जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए लाया गया है। यह रोजगार की गारंटी देगा, आजीविका सुनिश्चित करेगा और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी बुनियादी ढांचा तैयार करेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून का विरोध करने वालों को डर है कि ऐसे पारदर्शी सुधारों के समर्थन से उनकी पिछली नाकामियां उजागर हो जाएंगी। उन्होंने कहा, ''अगर जनता यह पूछने लगे कि जब वे सत्ता में थे तो ये कदम क्यों नहीं उठाए गए, तो उनकी सच्चाई सामने आ जाएगी।''

आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि मनरेगा टिकाऊ संपत्ति बनाने में विफल रहा और फर्जी जॉब कार्ड, फर्जी हाजिरी, मजदूरी के भुगतान में देरी, कमजोर 'सोशल ऑडिट' और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से ग्रस्त था। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अक्सर समय पर रोजगार और भुगतान से वंचित रखा जाता था, जबकि किसानों को बुवाई और कटाई के मौसम में मजदूरों की भारी कमी का सामना करना पड़ता था।

नोएडा में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, कंपनी निदेशक समेत 13 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा (उत्तर प्रदेश)/भाषा। नोएडा के साइबर अपराध थाना और सेक्टर-63 थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर कंपनी के निदेशक सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार शाम सेक्टर-63 के एच-ब्लॉक में संचालित इस कॉल सेंटर पर छापेमारी की गई।

अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) शैव्या गोयल ने बताया कि सुमित कुमार, विवेक कुमार, मोहम्मद सोहेल, ईश्वर, राज सलाउद्दीन, समीर अहमद, मोहम्मद आसिफ, मिथिलेश कुमार समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, टेलीकॉलर उपकरण, 31 मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। गोयल ने कहा, ''ये लोग इंश्योरेंस पॉलिसी और हेल्थ इंश्योरेंस कराने तथा पॉलिसी का नवीनीकरण कराने के नाम पर लोगों से संपर्क करते थे और उनसे धोखाधड़ी कर रकम फर्जी बैंक खातों में जमा करवा लेते थे।'' उन्होंने बताया, ''आरोपी विभिन्न बीमा कंपनियों का डाटा चोरी कर उनके ग्राहकों से संपर्क करते थे और उन्हें लुभावनी योजनाओं का झांसा देकर अपने जाल में फंसाते थे।'' अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

एसआईआर के लिए निर्वाचन आयोग कर रहा भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के मोबाइल ऐप का अवैध इस्तेमाल : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगासागर/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य में जारी एसआईआर कवायद को संचालित करने के लिए भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ द्वारा विकसित मोबाइल ऐप का अवैध उपयोग कर रहा है। वहीं, भाजपा ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि यह निराधार और राजनीति से प्रेरित है।

दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में आगामी गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अपने दो दिवसीय दौरे के समापन से पहले बनर्जी ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान ''हर तरह के गलत हथकंडे अपना'' रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''निर्वाचन आयोग एसआईआर कराने के लिए हर तरह के गलत हथकंडे अपना रहा है। यह पात्र मतदाताओं को 'मृत' घोषित कर रहा है और बुजुर्गों, बीमारों तथा अस्वस्थ लोगों को सुनवाई में शामिल होने के लिए मजबूर कर रहा है। इसके लिए वह भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ द्वारा विकसित मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर रहा है। यह गैरकानूनी, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। यह अब और नहीं चल सकता।'' तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यह आरोप उस दिन लगाया जब उनकी पार्टी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर कहा कि चुनाव निकाय ने पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर के लिए ''मनमानी और प्रक्रियात्मक रूप से अनियमित कार्रवाइयों'' का सहारा लिया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया ने राज्य में ''योग्य और वास्तविक मतदाताओं के लिए काफी कठिनाइयां पैदा कर दी हैं'', विशेष रूप से बुजुर्ग मतदाताओं, बीमार लोगों और हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए।

बनर्जी ने कहा, ''मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि वे एसआईआर में भाग लेते समय सावधानी बरतें।

उप्र में एसआईआर के बाद मसौदा मतदाता सूची जारी : दो करोड़ 89 लाख नाम कटे

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के बाद मंगलवार को मसौदा मतदाता सूची जारी कर दी गई, जिसमें 12 करोड़ 55 लाख मतदाता शामिल हैं। यह आंकड़ा पूर्व की संख्या 15.44 करोड़ से लगभग दो करोड़ 89 लाख कम है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया के बाद मसौदा मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इसमें 12 करोड़ 55 लाख 56 हजार 25 मतदाता शामिल हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर की मतदाता सूची में 15 करोड़ 44 लाख 30 हजार 92 मतदाता थे। मसौदा सूची में लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं को गिनती के दौरान शामिल नहीं किया जा सका है। सीईओ ने कहा कि अब मसौदा मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां छह जनवरी से छह फरवरी तक दर्ज करायी जा सकेंगी। इस दौरान लोग सूची में नाम शामिल करने, सुधार करने या आपत्ति करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। रिणवा ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि 46.23 लाख मतदाता (2.99 प्रतिशत) मृत पाए गए, जबकि 2.57 करोड़ मतदाता (14.06 प्रतिशत) या तो स्थायी रूप से बाहर चले गए थे या प्रमाणन की प्रक्रिया के दौरान मौजूद नहीं थे। वहीं, 25.47 लाख अन्य मतदाताओं का नाम एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत पाया गया। उन्होंने कहा, '' मसौदा मतदाता सूची में अब 12.55 करोड़ मतदाता हैं और इसमें राज्य के सभी 75 जिले और 403 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं।''

जलवायु परिवर्तन से निपटना जन आंदोलन बने, सिर्फ सरकारी कार्यक्रम नहीं : श्रवण कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के ग्रामीण विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन की चुनौती को केवल एक सरकारी कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम, घटते जलस्तर और हरित क्षेत्र में आ रही कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है।

बापू टावर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह मंच सिर्फ एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह संदेश देने का प्रयास है कि पर्यावरण संरक्षण अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता बन चुका है। इस कार्यक्रम में जल-जीवन-हरियाली अभियान से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी और जीविका दीदी भी मौजूद रहीं, जिन्हें इस अभियान की

जमीनी ताकत माना जाता है। श्रवण कुमार ने कहा कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के माध्यम से सरकार लोगों से भावनात्मक और सामाजिक अपील कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि लोग अपने बच्चों, माता-पिता के जन्मदिन या किसी भी पर्व के अवसर पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। यदि यह परंपरा बन जाए तो राज्य का हरित आवरण तेजी से बढ़ सकता है और 15 प्रतिशत से बढ़कर 17 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रही है, जिसके कारण कहीं असमय बारिश हो रही है तो कहीं भीषण गर्मी और जल संकट जैसे हालात सामने आ रहे हैं। ऐसे में जल, जीवन और हरियाली को एक-दूसरे से जोड़कर देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहली बार सत्ता में आए थे, तब बिहार का हरित आवरण महज नौ प्रतिशत था, जो आज बढ़कर 15 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह सरकार की नीतियों और जनता के सहयोग का परिणाम है, लेकिन अभी लक्ष्य बाकी है। उन्होंने जल-जीवन-हरियाली अभियान को मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी परियोजना बताते हुए कहा कि इसे सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रखा गया है। नदियों की सफाई, जल स्रोतों का संरक्षण, पौधारोपण और पर्यावरणीय संतुलन जैसे कार्य जमीन पर दिखाई दे रहे हैं।

श्रवण कुमार ने बताया कि राज्य के 15 विभागों के आपसी समन्वय से इस परियोजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है, ताकि इसका लाभ प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक पहुंचे।

अलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कड़ाके की ठंड के बीच मंगलवार को जम्मू में व्यक्ति राहत पाने के लिए सड़क किनारे जलाए छोटे से अलाव के पास बैठा दिखाई दिया। ठंडी हवाओं व गिरते तापमान के कारण आम जनजीवन प्रभावित रहा।

मिजोरम में 'रीड स्नेक' की नई प्रजाति की पहचान की गई

आइजोल/भाषा। मिजोरम के वैज्ञानिकों ने रूस, जर्मनी और वियतनाम के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर राज्य में 'रीड स्नेक' की एक नई प्रजाति की पहचान की है। इस खोज से इस सांप की पहचान को लेकर लंबे समय से चला आ रहा भ्रम दूर हो गया है और भारत में पाए जाने वाले सरीसृपों (रेंगने वाले जीवों) की सूची में एक नई प्रजाति जुड़ गई है।

मिजोरम विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के प्रोफेसर और शोध दल के प्रमुख एच टी लालरेमसंगा ने बताया कि सांप की इस नई प्रजाति का नाम राज्य के नाम पर 'कैलामारिया मिजोरमेंसिस' रखा गया है। उन्होंने बताया कि विस्तृत शारीरिक परीक्षण और डीएनए विश्लेषण पर आधारित यह शोध सोमवार को अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका 'जूटाक्सा' में प्रकाशित हुआ। लालरेमसंगा के अनुसार, इस सांप के नमूने पहली बार 2008 में मिजोरम में एकत्र किए गए थे, लेकिन उस समय इन्हें दक्षिण-पूर्व एशिया में व्यापक रूप से पाई जाने वाली एक अन्य प्रजाति का हिस्सा माना गया था। नए अध्ययन से यह स्थापित हुआ है कि मिजोरम में पाई जाने वाली यह आबादी एक विशिष्ट विकासवादी वंशावली का प्रतिनिधित्व करती है, जो केवल इसी राज्य में पाई जाती है। शोध टीम ने आइजोल, रीक, सिहफिर और सावलेंग के साथ-साथ मामित और कोलासिब जिलों के जंगली इलाकों से एक दशक से अधिक समय में एकत्र किए गए नमूनों का विश्लेषण किया। लालरेमसंगा ने कहा कि आनुवंशिक तुलना से पता चला है कि मिजोरम का यह 'रीड स्नेक' अपने निकटतम ज्ञात रिश्तेदारों से 15 प्रतिशत से अधिक भिन्न है।

काशी एक्सप्रेस में बम की सूचना से मचा हड़कंप, यात्रियों को नीचे उतारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ (उप्र)/भाषा। मऊ जिले में मंगलवार को गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनल (मुंबई) जा रही ट्रेन में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। ट्रेन के मऊ रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन को खाली कराया और बम निरोधक दस्ते की मदद से ट्रेन की सघन जांच शुरू करायी गई।

पुलिस अधीक्षक इला मारन ने बताया कि आज सुबह साढ़े नौ बजे कंट्रोल रूम में एक फोन आया कि गोरखपुर से मुम्बई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल जाने वाली काशी एक्सप्रेस में बम की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की टीम मऊ रेलवे स्टेशन पर पहुंची। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, यात्रियों को ट्रेन से बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि हर बोगी की बारीकी से तलाशी ली जा रही है। प्लेटफॉर्म संख्या एक और आसपास के इलाके को भी घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया है। समाचार लिखे जाने तक जांच में एक संदिग्ध बैग मिला था मगर उसमें भी कोई बम या ऐसी अन्य सामग्री नहीं पायी गई। बहरहाल, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और जांच पूरी होने के बाद ही ट्रेन को आगे रवाना करने का निर्णय लिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अचानक हुई कार्रवाई से यात्रियों में अफरातफरी का माहौल है। हालांकि प्रशासन द्वारा लगातार ऐलान करके लोगों से शांत और सुरक्षित रहने की अपील की जा रही है।

नोएडा में मोबाइल चोरी गिरोह का भंडाफोड़, 821 फोन बरामद; छह लोग गिरफ्तार

नोएडा (उत्तर प्रदेश)/भाषा। नोएडा पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश कर छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से चोरी के 821 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह विशेष अभियान के तहत सेक्टर-88 के पास से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रदीप कुमार, श्याम कुमार, भारती महतो, शेखर विशाल कुमार, गोविंदा महतो और रोहित सैनी के रूप में हुई है, जबकि दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया, ''आरोपियों के पास से चोरी के 821 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनमें 51 आईफोन और सैकड़ों अन्य महंगे स्मार्टफोन शामिल हैं। इन सभी मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत लगभग दो करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के भीड़भाड़ वाले इलाकों, खासकर साप्ताहिक बाजारों में लोगों को निशाना बनाते थे। पूछताछ में उन्होंने दो हजार से अधिक मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।''

तृणमूल सरकार चाय बागान श्रमिकों की उपेक्षा कर रही : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर स्थानीय समुदायों और चाय बागान मजदूरों के हितों की उपेक्षा करने और अवैध अप्रवासियों की रक्षा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ चाय बागानों के श्रमिकों को पिछले कुछ महीनों से वेतन नहीं मिला है, और दावा किया कि राजबंशी जैसे कई आदिवासी समुदायों को

तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, क्योंकि वे सत्तारूढ़ पार्टी के राजनीतिक समर्थन का आधार नहीं हैं। भाजपा के गढ़ माने जाने वाले उत्तर बंगाल में चाय उद्योग की भयावह तस्वीर पेश करते हुए अधिकारी ने आरोप लगाया कि राज्य शासन के दौरान इसे पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया, कई बागानों में श्रमिकों को पिछले चार. पांच महीनों से वेतन नहीं मिला है। भाटखावा और मधु जैसे बागान बंद हैं, जबकि कई अन्य बागान नाजुक स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि राज्य सरकार लंबित वेतन जारी करे। भाजपा नेता ने राज्य सरकार पर चाय बागानों की जमीन को व्यावसायिक उपयोग के लिए स्थानांतरित करने में मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को संरक्षण देने की कोशिश कर रही है। अधिकारी ने दावा किया, मुख्यमंत्री ने बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों और रोहिंग्या को मतदाता सूची में रखने के लिए तीन बार पत्र लिखे, लेकिन उन्होंने चाय बागान श्रमिकों के लिए यह मांग एक बार भी नहीं उठाई।

सीमांत राजमार्ग भूमि मुआवजा 'घोटाले' में सख्त कार्रवाई की जाएगी: खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि राज्य के सीमांत राजमार्ग के लाडा-सरली खंड से जुड़े 130 करोड़ रुपए के कथित भूमि मुआवजा घोटाले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खांडू ने कहा कि सरकार की एक सदस्यीय जांच समिति इस मामले पर अपनी रिपोर्ट पहले ही सौंप चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अरुणाचल प्रदेश सरकार ने लाडा-सरली खंड से संबंधित भूमि स्वामित्व अभिलेखों और मुआवजे के भुगतान के नए सिरे से सत्यापन के आदेश दिए हैं।

कुछ हलकों से मामले को केंद्रीय एजेंसियों को सौंपे जाने की मांग पर, खांडू ने पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार के पास इस पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''राजमार्ग के इस हिस्से के लिए केंद्र सरकार द्वारा धन दिया जा रहा है, और वह मामले की जांच के लिए ईडी या सीबीआई को निर्देश दे सकती है।'' यह ''घोटाला'' रणनीतिक अरुणाचल सीमांत राजमार्ग के 125.5 किलोमीटर लंबे लाडा-सरली खंड के लिए वितरित भूमि मुआवजे में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। यह राजमार्ग भारत-चीन सीमा पर देश की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए है। इससे पहले, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने इस मामले के संबंध में पूर्वी कामेंग जिले के भूमि राजस्व और बंदोबस्ती अधिकारी को गिरफ्तार किया था।

भारतीय महिलाओं को भविष्य में हराना मुश्किल होगा : एशले गार्डनर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एशले गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया इस समय महिला क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ टीम है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दशक में वनडे विश्व चैम्पियन भारतीय टीम को हराना काफी मुश्किल होगा ।

पिछले साल महिला विश्व कप सेमीफाइनल में भारत से हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रही गार्डनर ने कहा कि हरमनप्रीत कौर की टीम के प्रदर्शन में जबर्दस्त सुधार आया है । नौ जनवरी से शुरू हो रही महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाइंट्स के गए खेल रही गार्डनर ने कहा ,'' भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बहुत मुश्किल होगा ।'' उन्होंने कहा ,'' ऑस्ट्रेलियाई होने के नाते मैं इससे भयभीत हूं लेकिन यहां खेल का तेजी से विकास देखकर अच्छा लग रहा है ।''

गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है । उन्होंने कहा ,'' मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है । विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत की बानगी देते हैं । अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जायेंगे । भारत से मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी खतरनाक हो सकती है ।'' महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में भारत की विश्व कप विजेता टीम में से सिर्फ तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर है लेकिन उनके पास बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे धुरंधर विदेशी खिलाड़ी हैं।

गार्डनर ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' अगर सभी टीमों को देखें तो विदेशी बल्लेबाजों पर काफी दारोमदार होता है । हमारी टीम में भी ऐसा ही होगा । हमारे पास हरमनप्रीत कौर या स्मृति मंधाना जैसे बल्लेबाज नहीं है लेकिन जो खिलाड़ी हमारे पास हैं, उनके साथ ही जीतना होगा । हमारे पास बेहतरीन टीम है और हम जीतेंगे ।''

मैंने कभी भी किसी पूर्वाग्रह के साथ क्रिकेट नहीं खेली : डीकॉक

केपटाउन/भाषा। संन्यास से वापसी करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डीकॉक ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया है और उन्होंने इसका श्रेय किसी तरह के पूर्वाग्रह के साथ नहीं खेलने और किसी भी चुनौती के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को दिया।

डीकॉक ने टेस्ट और वनडे से संन्यास लेने के बाद अक्टूबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ टी20 मैच से वापसी की। वह 2024 में टी20 विश्व कप के फाइनल के बाद से इस प्रारूप में भी नहीं खेले थे जिससे क्रिकेट में उनका भविष्य अनिश्चित हो गया था। डीकॉक ने यहां सनराइजर्स ईस्टर्न केप और प्रिटोरिया कैपिटल्स के बीच एसए20 मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी भी किसी तरह के

पूर्वाग्रह के साथ क्रिकेट खेली है। मेरी मानसिकता हमेशा जीतने की रही है। अगर मैं मानसिक रूप से तैयार होकर मैदान में उतरता हूं, तो मैं संतुष्ट रहता हूं, फिर चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं।'' उन्होंने आगे कहा, ''मुझे केवल तभी निराशा होती है जब मैं मानसिक रूप से तैयार नहीं रहता और अनावश्यक गलतियां कर देता हूं।'' डीकॉक की निगाह अब भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप पर टिकी हैं।

सुविचार

छोटी छोटी बाते दिल में रखने से बड़े बड़े रिश्ते कमज़ोर हो जाते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे उतरे मन का यह बोझ?

इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (आईपीएस) ने भारत में नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जो आंकड़े जारी किए हैं, उन्हें सरकार और समाज को गंभीरता से लेना चाहिए। देश में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। चिंता की बात यह भी है कि मानसिक स्वास्थ्य को समग्र स्वास्थ्य का हिस्सा माना ही नहीं जाता! अगर कोई व्यक्ति ऐसी समस्या का सामना करने के बाद डॉक्टर से परामर्श लेने जाता है तो उसके बारे में कई तरह की बातें बनाई जाती हैं। शारीरिक स्वास्थ्य सुधारने के लिए डॉक्टर के पास जा सकते हैं तो मानसिक स्वास्थ्य सुधारने के लिए डॉक्टर से परामर्श लेने में क्या बुराई है? समय पर परामर्श लेने से समस्या को गंभीर बनने से रोका जा सकता है। विशेषज्ञों का यह कहना सत्य है कि मानसिक स्वास्थ्य को भी शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही गंभीरता और तत्परता से संबोधित किया जाना चाहिए। अगर मन स्वस्थ नहीं होगा तो तन पर भी उसका असर पड़ेगा। प्राय: कई लोग अपने मन में बोझ लिए घूमते हैं। बचपन के बुरे अनुभव, अपमान, उत्पीड़न, धोखा जैसी घटनाएं मन में घूमती रहती हैं। कभी-कभार ये उस व्यक्ति पर इतनी हावी हो जाती हैं कि उसकी मानसिक शांति भंग हो जाती है। उसका जीवन कई समस्याओं से घिर जाता है। इस स्थिति को टालने के लिए एक तरीका यह हो सकता है कि वह व्यक्ति अपनी बात किसी से साझा करे। हालांकि इसमें भारी जोखिम है। अगर भविष्य में दोनों में मनमुटाव हो गया तो गोपनीयता भंग हो सकती है। यूरोप में मानसिक स्वास्थ्य पर शोध और उसमें सुधार के लिए कई प्रयोग हो रहे हैं। उनमें एक प्रयोग बहुत असरदार पाया गया, जिसके तहत लोग अपने मन का बोझ लिखकर या बोलकर साझा कर सकते हैं। इसमें उनकी गोपनीयता का ध्यान रखा जाता है।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य की कितनी उपेक्षा की जाती है, इसका अंदाजा विशेषज्ञों के इस कथन से लगाया जा सकता है, 'मानसिक स्वास्थ्य विकार का आसानी से उपचार हो सकता है, फिर भी अधिकांश मरीज चुपचाप पीड़ा सहते रहते हैं। 80 प्रतिशत से अधिक लोगों को समय पर मनोरोग संबंधी देखभाल न मिलना, लांछन, जागरूकता की कमी और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के अपर्याप्त एकीकरण को दर्शाता है।' हाल के वर्षों में थोड़ी जागरूकता जरूर आई है। अब कुछ लोग बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को समग्र स्वास्थ्य का हिस्सा मानते हैं। स्कूलों में शारीरिक दंड, अपमान और उत्पीड़न की शिकायतों की ओर ध्यान दिया जाने लगा है। जयपुर में तो एक मशहूर स्कूल की मान्यता तक रद्द कर दी गई। हालांकि वर्तमान में किए जा रहे उपाय काफी नहीं हैं। इन पर और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बचपन के बुरे अनुभव बाद में भयावह रूप ले सकते हैं। एक लेखक, जो बचपन से ही एकांतप्रिय रहे हैं और किताबें पढ़ने में बहुत रुचि रखते हैं, का संयुक्त परिवार था। एक बुजुर्ग का उनके प्रति बर्ताव बहुत बुरा था। जब वे उस बालक को पढ़ाई करते देखते तो खरी-खोटी सुनाते। जब बालक स्कूल जाता तो उसे रोक कर कहते कि जाओ, पहले मेरा यह काम करो। हद तो तब हो गई, जब उन्होंने वार्षिक परीक्षा के दिन बालक को स्कूल जाने से रोकना चाहा। यह सिलसिला चलता रहा। इस दौरान बालक भी बड़ा हो गया। उसकी समझ विकसित हो गई। एक दिन जब वह क्लास टेस्ट के लिए जा रहा था तो उस बुजुर्ग के खिलाफ अपनी जेब में 'राष्ट्रपति के नाम पत्र' लिखकर रख लिया। उस दिन बुजुर्ग ने रास्ता नहीं रोका, अन्यथा वह बालक स्कूल न जाकर डाकघर जाता और पत्र भेज देता। इसके नतीजे में घर पर पुलिस आती और बुजुर्ग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होती। वे लेखक उस उत्पीड़न को आज तक नहीं भुला पाए। इससे उन्हें कई मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। बच्चों का मन बहुत कोमल होता है। उन्हें अच्छी सीख देकर अनुशासित करना चाहिए, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई व्यक्ति हाथ धोकर उनके पीछे ही पड़ जाए। कई बार ऐसी घटनाओं के बहुत खतरनाक नतीजे निकलते हैं, जिनके बाद पछतावा ही शेष रहता है।

ट्वीटर टॉक

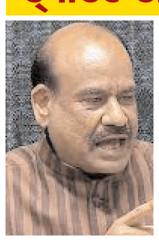

वर्ष 1987 में सियाचिन की बर्फ़ीली चोटियों पर घुसपैठियों के खिलाफ हुए भीषण संघर्ष के दौरान अदम्य साहस, असाधारण वीरता और अद्वितीय नेतृत्व का परिचय देकर राष्ट्र का गौरव बढ़ाने वाले कैप्टन बाना सिंह जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

-ओम बिरला

प्रशासनिक एवं सरकारी अराजकता का आलम यह है कि न कहने वाला है न देखने वाला है। प्रदेश की जनता के हक के पैसे की ऐसी बर्बादी पहले कभी नहीं देखी गई। इनको पूछो, आखिर जनता को क्या मिला? राइजिंग राजस्थान और प्रवासी राजस्थानी दिवस का नाटक फेल हो चुका है।

-अशोक गहलोत

आधुनिक हिन्दी साहित्य के युग प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! अपनी कालजयी रचनाओं से उन्होंने हिन्दी भाषा और गद्य साहित्य को एक नई दिशा दी। उनका योगदान हमें मातृभाषा के प्रति गौरव और समर्पण की भावना सिखाती है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

गुस्से का मर्दन

एक बार संत रैदास काशी में अपने अनुयायियों के बीच प्रवचन कर रहे थे। इसी दौरान कुछ असामाजिक तत्व रैदास पर छींटाकशी करने लगे और उन्हें शारीरिक चोट पहुंचाने पर उतारू हो गए। यह देख रैदास के अनुयायी भड़क उठे। इस पर संत ने दु:खी होकर अपने भक्तों से कहा, 'मारो-मारो, पर इन्हें नहीं।' यह सुनते ही भक्तगण रुक गए और रैदास से पूछने लगे, 'आप 'मारो-मारो' भी कह रहे हैं और साथ ही यह भी कह रहे हैं कि इन्हें नहीं। हम समझे नहीं।'

रैदास ने सहज भाव से कहा, ' मेरे कहने का आशय यह है कि इन्हें मत मारो, अगर मारना है तो अपने गुस्से को मारो, अपने अहंकार को मारो। इस व्यवस्था का अंत करो। ये नादान लोग हैं और अपने अहंकार के वशीभूत ऐसा कर रहे हैं। यदि आप भी इनका अनुसरण करोगे तो आप में और इनमें क्या अंतर रह जाएगा? मेरी शिक्षा का भी क्या अर्थ रह जाएगा?' रैदास की यह बात सुनकर भक्तगण चुपचाप अपनी जगह पर बैठ गए। रैदास की विनम्रता देखकर उपद्रवी भी वापस चले गए।

सामयिक

राम रहीम की पैरोल का मुद्दा किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह धर्म, प्रभाव और कानून के उस खतरनाक मेल को उजागर करता है, जहां सीमाएं लगभग मिटती जा रही हैं। यहां सुधार केवल नियम बदलने से नहीं आएगा, बल्कि सोच और प्राथमिकताओं में मूलभूत परिवर्तन आवश्यक है। पारदर्शी मापदंड, कानून का समान अनुप्रयोग और स्पष्ट सार्वजनिक जवाबदेही ही टूटते विश्वास को जोड़ सकते हैं।

आस्था के साए में अपराध : पैरोल ने फिर जगाए विवाद

प्रो. आरके जैन अरिजीत
मोबाइल : 94251 23883

क्या न्याय सचमुच अंधा है, या वह अब प्रभाव, संख्या और आस्था को पहचानने लगा है। यह प्रश्न तब और तीखा हो उठा, जब डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर (15वीं बार) 40 दिनों की पैरोल (फरलो) पर जेल से बाहर आने की अनुमति दी गई। यह केवल एक सजायाफ्ता व्यक्ति की अस्थायी रिहाई नहीं, बल्कि कानून की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक नैतिकता पर सीधा प्रहार था। जब गंभीर अपराधों में दोष सिद्ध होने के बावजूद बार-बार राहत दी जाती है, तो समाज के भीतर यह संदेह गहराना स्वाभाविक है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है। यही बेचैन करने वाली शंका पूरे घटनाक्रम के केंद्र में खड़ी होकर नागरिक चेतना को भीतर तक झकझोर देती है।

राम रहीम का नाम वर्षों से अपराध, आस्था और प्रभाव के विचित्र संगम का प्रतीक बन चुका है। महिलाओं के साथ हुए जघन्य अपराधों और एक निर्भीक पत्रकार की हत्या ने देश को भीतर तक हिला दिया था। न्यायालय द्वारा दी गई कठोर सजाओं से यह आशा जगी थी कि धर्म की आड़ में छिपे अपराधों पर अब कोई समझौता नहीं होगा। परंतु समय बीतने के साथ बार-बार मिली पैरोल ने उस भरोसे को कमजोर किया। स्वयं को आध्यात्मिक मार्गदर्शक बताने वाला व्यक्ति जब लगातार जेल से बाहर आता है, तो धर्म और अपराध के बीच खींची गई रेखा धुंधली पड़ने लगती है।

पैरोल का सिद्धांत मानवीयता और सुधार से जुड़ा होता है। इसका उद्देश्य कैदी को समाज से जोड़े रखना और उसे आत्ममंथन का अवसर देना है। लेकिन राम रहीम के मामले में पैरोल एक अपवाद नहीं, बल्कि नियमित प्रक्रिया जैसी प्रतीत होने लगी है। सजा के सीमित वर्षों में कई बार बाहर आना और लंबा समय जेल से बाहर बिताना सामान्य कैदियों की स्थिति से बिल्कुल अलग है। यह प्रश्न उठता है कि नियमों की व्याख्या इतनी उदार क्यों है। जब राहत बार-बार और समय विशेष पर मिलती दिखे, तो कानून की मंशा पर संदेह होना स्वाभाविक है।

न्याय की कसौटी पर यह स्थिति अत्यंत विचलित करने वाली है। एक ओर ऐसे लोग हैं, जिन पर आरोप अभी सिद्ध भी नहीं हुए, फिर भी वे वर्षों से कारावास झेल रहे हैं। दूसरी ओर सिद्ध अपराध के बावजूद बार-बार पैरोल दी जा रही है। यह विरोधाभास व्यवस्था के दोहरे मापदंड को साफ उजागर करता है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमों की अस्पष्टता और प्रशासनिक विवेक की अत्यधिक छूट ने इस असमानता को जन्म दिया है। जब निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रहती, तब न्याय कागज़ों तक सिमट जाता है और जनता का भरोसा धीरे-धीरे दरकने लगता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। बड़े अनुयायी समूह अपने आप में शक्ति बन जाते हैं। यही शक्ति कई बार निर्णयों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव का कारण बनती है। धर्मस्थलों और धार्मिक व्यक्तित्वों का सामाजिक प्रभाव नई बात नहीं है, लेकिन जब इसका उपयोग कानून को नरम करने के लिए होने लगे, तो खतरा बढ़ जाता है। आस्था जब संगठित समर्थन में बदल जाती है, तो न्याय कमजोर पड़ने लगता है। यह प्रवृत्ति केवल एक मामले तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक लोकतांत्रिक चुनौती का संकेत है।

धार्मिक पहलू इस विवाद को और अधिक संवेदनशील बना देता है। जब आस्था विवेक पर भारी पड़ती है, तब प्रश्न पूछने की क्षमता क्षीण हो जाती है और अंधभक्ति हावी होने लगती है। पैरोल के दौरान होने वाली गतिविधियां अनुयायियों में उत्साह और भरोसा भरती हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों के लिए वही क्षण गहरी पीड़ा का कारण बनते हैं। उनके लिए हर रिहाई न्याय के पुराने घावों को फिर से हरा कर देती है। धर्म का उद्देश्य नैतिक उत्थान और करुणा है, न कि अपराधों के लिए ढाल बनना। जब आस्था का उपयोग संरक्षण के लिए होता है, तो समाज में गलत संदेश जाता है।

न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता पर इसका प्रभाव अत्यंत गहरा और दूरगामी है। जब आम नागरिक यह देखता है कि प्रभावशाली नामों के लिए कानून के द्वार सहजता से खुल जाते हैं, तो न्याय के प्रति सम्मान स्वत: कमजोर पड़ने लगता है। सार्वजनिक विमर्श में दिखाई देने वाला आक्रोश केवल क्षणिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि भीतर तक जमी निराशा की अभिव्यक्ति है। लोग इसे सुविधा और प्रभाव से संचालित न्याय कहने लगे हैं। जब निर्णयों पर स्पष्ट, पारदर्शी और ठोस उत्तर नहीं मिलते, तब यह मौन अविश्वास को जन्म देता है। यदि समय रहते विश्वास बहाल नहीं किया गया, तो यह दरार स्थायी बनकर न्याय व्यवस्था की नींव को ही कमजोर कर देगी।

सबसे गहरी पीड़ा पीड़ितों की है, जिनकी आवाज अक्सर भीड़ और शोर में दबकर रह जाती है। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े प्रश्न केवल कानून तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की नैतिक चेतना की भी परीक्षा हैं। जब दोष सिद्ध होने के बाद भी कठोरता नहीं दिखाई जाती, तो यह संदेश जाता है कि शक्ति ढाल बन सकती है। ऐसी सोच समाज को भीतर से कमजोर करती है, क्योंकि इससे अपराध सामान्य और न्याय सापेक्ष हो जाता है। कोई भी व्यवस्था तब तक मानवीय नहीं कही जा सकती, जब तक वह सबसे कमजोर के साथ समान और संवेदनशील व्यवहार न करे।

राम रहीम की पैरोल का मुद्दा किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह धर्म, प्रभाव और कानून के उस खतरनाक मेल को उजागर करता है, जहां सीमाएं लगभग मिटती जा रही हैं। यहां सुधार केवल नियम बदलने से नहीं आएगा, बल्कि सोच और प्राथमिकताओं में मूलभूत परिवर्तन आवश्यक है। पारदर्शी मापदंड, कानून का समान अनुप्रयोग और स्पष्ट सार्वजनिक जवाबदेही ही टूटते विश्वास को जोड़ सकते हैं। अब समय आ गया है कि व्यवस्था आत्मपरीक्षण करे, क्योंकि जब न्याय से समझौता होता है, तो लोकतंत्र की नींव डगमगाने लगती है।

ज्ञान विज्ञान

अब बर्फ कम करेगी आपका बिजली का बिल ?

बिजली के बढ़ते दाम और ग्लोबल वार्मिंग के बीच अब एक नई उम्मीद बनी है आइस बैटरी। ये यह तकनीक रात में बर्फ बनाकर दिन में इमारतों को ठंडा रखती है। नतीजा- एसी की कम बिजली खपत, सस्ते बिल और पर्यावरण को राहत। आने वाले समय में यह टेक्नॉलॉजी घरों तक पहुंच सकती है। आज की दुनिया में ठंडक हमारी जरूरत बन चुकी है। चाहे वो घर हो, दफ्तर हो या मॉल। लेकिन इस ठंडक की कीमत हम तीन तरीकों से चुका रहे हैं। पहला, आसमान छूते बिजली के बिल। दूसरा, पावर ग्रिड पर बढ़ता बोझ। और तीसरा, पर्यावरण को होता नुकसान। एयर कंडीशनिंग अकेले दुनिया की बिजली खपत का बड़ा हिस्सा निगल रही है, और यही ग्लोबल वार्मिंग की आग में घी डालने का काम कर रही है।

ऐसे में बड़ा सवाल है क्या हम बिना ज्यादा खर्च और प्रदूषण के भी ठंडी हवा का मजा ले सकते हैं? जवाब है-हाँ। और उसका नाम है आइस बैटरी यानी बर्फ की बैटरी। ये तकनीक रात को बिजली से बर्फ बनाती है और दिन में उसी बर्फ से इमारतों को ठंडा रखती है। नतीजा बिजली के बिल में भारी कटौती और पर्यावरण को भी राहत। आइए इस तकनीक के बारे में जानते हैं विस्तार से।

बड़ी बचत: इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के मुताबिक, एक सामान्य इमारत अपनी कुल बिजली का 20% सिर्फ ठंडक पर खर्च करती है। आइस बैटरियां इस खर्च को एक-तिहाई तक घटा सकती हैं।

क्लाइमेट के लिए बेहतर: गर्मी के दिनों में जब हर कोई एसी चला रहा होता है, तो पावर कंपनियाँ महंगे और ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले पीकर प्लांट्स चलाती हैं। आइस बैटरियां इस दबाव को घटाती हैं। तो एक लिहाज से ये पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने से बचा लेता है।

लॉन्ग-लास्टिंग: लिथियम-आयन बैटरियों की तरह इनके केमिकल खराब नहीं होते। पानी बार-बार जमाया और पिघलाया जा सकता है। सिर्फ इनके पंप और वाल्व को मेंटेन करने की जरूरत पड़ती है।

सस्ती टेक्नॉलॉजी: कंपनियों का दावा है कि आइस बैटरियां लंबे समय में लिथियम बैटरियों से आधी लागत पर काम कर जाती हैं।

न्यूयॉर्क की एक बैंक बिल्डिंग इसकी शानदार मिसाल है। न्यूयॉर्क में पार्किंग जितने बड़े 100 टैंकों में हर रात इतनी बर्फ बनाई जाती है कि उससे 3 मिलियन मार्घरीटा(पिज़्ज़ा की एक वैराएटी) तैयार हो सकें। वहीं कैलिफ़ोर्निया में अपने आइस ब्रिक सिस्टम के जरिए 193 इमारतों में यह तकनीक लगाने की तैयारी कर रही थी। ढीरपश ढशलहपेश्रेसळशी जैसी कंपनियाँ दावा करती हैं कि उनके आइस बैटरी सिस्टम से 40% तक कूलिंग कॉस्ट घटाई जा सकती है।

हाल ही में टेक्सास एच यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस टेक्नॉलॉजी को और टिकाऊ बनाने पर रिसर्च की। उन्होंने सॉल्ट हाइड्रेट्स का इस्तेमाल किया। यानी ऐसे नमक जो अपने क्रिस्टल स्ट्रक्चर में पानी के मॉल्यूक्यूल रखते हैं। इससे सिस्टम की सबसे बड़ी समस्या, फेज सेग्रिगेशन (जहाँ नमक और पानी अलग हो जाते हैं और सिस्टम बिगाड़ देते हैं), को कम करने की कोशिश की गई। टीम ने पाया कि बेरियम (इरीळी) जोड़ने से जमने की प्रक्रिया और भी स्मूथ हो गई। यानी आइस बैटरीज अब ज्यादा सालों तक चल सकती हैं और क्त-उ सिस्टम्स के साथ बेहतर तालमेल बैठा सकती हैं।

अब तक आइस बैटरियां बड़े ऑफिस टॉवर, अस्पताल और होटल जैसी इमारतों में ही लगाई जाती रही हैं, क्योंकि इनका साइज बहुत बड़ा होता है। लेकिन अब आइस बियर और आइस क्यूब जैसे छोटे मॉडल आ रहे हैं, जिन्हें घरों या छोटी दुकानों में भी लगाया जा सकेगा। हालाँकि, ये हर जगह फिट नहीं बैठतीं। ठंडी जगहों पर, जहाँ एसी की जरूरत ही कम होती है, वहाँ इसका खर्च निकालना मुश्किल है। अगर बिजली कंपनियाँ दिन-भर एक ही रेट पर बिजली बेचें तो फिर आइस बैटरियों से बचत नहीं होगी।

नजरिया

जंक फूड ने छीना बचपन हमारा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

भारत दुनियाभर में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स यानि जंक फूड्स के विरोध में आवाज मुखरित होने लगी है। ब्रिटेन ने अपनी आने वाली पीढ़ी की सेहत को ध्यान में रखते हुए जंक फूड्स के विज्ञापनों को लेकर कड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। एक ताज़ा मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन ने 5 जनवरी से दिन में टीवी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर जंक फ़ूड के विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यह प्रतिबंद उन जंक उत्पादों पर लागु होगा जिनमें फैट, नमक और चीनी की मात्रा अधिक होंगी। अंग्रेज सरकार ने अपने इस निर्णय को मोटापे के खिलाफ निर्णायक कदम बताया है।

हमारे देश की बात करे तो जंक फूड पर यहां किसी तरह की रोक नहीं है। विज्ञापनों की भरमार देखी जा सकती है। जंक फूड ने देश के नौनिहालों से लेकर किशोर, युवा और बुजुर्ग तक को अपने आगोश में ले लिया है। तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण, व्यस्त जीवन-शैली और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे बदलाव ने भारत में लोगों के जीवन-यापन के तरीके को बदल कर रख दिया है। इन बदलावों के फलस्वरूप लोगों ने घर पर खाना पकाने और खाने की आदत में भी बदलाव किया है। महानगरों में में रहने वाले परिवारों की तैयार भोजन, फास्ट फूड और जंक फूड पर निर्भरता ज्यादा ही बढ़ गई है। अब तो इनकी पहुँच घर घर में हो गई है। यह बच्चों के प्रिय नाश्ते में शुमार हो गया है। देखा तो यह गया है पूरा परिवार अल्पाहार में फास्ट फूड का उपयोग करने लगा है। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स को शुगरी ड्रिंक्स, जंक फूड, पैकेज्ड फूड्स आदि विभिन्न नामों से भी जाना जाता है जिसमें खाने के नेचुरल तत्व हटा कर उसे कृत्रिम तत्वों में बदल दिया जाता है।

यह देखा जाता है इस प्रकार के खाध पदार्थों ने घर घर में अपने पांव पसार लिए है। विशेषकर महानगरों के स्कूल, कालेजों और नौकरी करने वाले अधिकतर युवा अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स अथवा फास्ट फूड पर चलते हैं, बल्कि यह कहना ज्यादा उचित होगा कि उन्हें इनका चस्का लगा हुआ है। नतीजा बड़ा ही खौफनाक है। इस फूड खाने के आदी युवा ऐसी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं जो बुढ़ापे की बीमारियाँ समझी जाती हैं। बाजार में फूड के नाम पर जो चीजें सहज उपलब्ध हैं, उनमें शर्करा और चर्बी तो होती है, लेकिन प्रोटीन लगभग नदारद होती है। यही नहीं, उनमें पड़ने वाले कृत्रिम नमक और प्रिजर्वेटिव्स स्वास्थ्य के लिए जहर जैसे होते हैं। प्रोटीन की कमी उनमें कितनी ही स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा करती हैं। इसमें पोषण की कमी होती है और

शरीर के तंत्र के लिए हानिकारक होता है। ज्यादातर अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड उच्च स्तर पर वसा, शुगर, लवणता, और बुरे कोलेस्ट्रॉल से परिपूर्ण होते हैं, जो स्वास्थ के लिए जहर होते हैं। इनमें पोषक तत्वों की कमी होती है इसलिए आसानी से कब्ज और अन्य पाचन संबंधी बीमारियों का कारण बनते हैं।

इसके अलावा देश और दुनिया में जंक या फ़ास्ट फूड फूड का उपभोग दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है, जो भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। सभी आयु वर्ग के लोग जंक फूड खाना पसंद करते हैं और आमतौर पर, जब वे अपने परिवार के साथ कुछ विशेष समय, जैसे- जन्मदिन, शादी की सालगिरह, आदि का आनंद लेने के दौरान वे इन्हें ही चुनते हैं। वे बाजार में उपलब्ध जंक फूड की विभिन्न किस्मों जैसेय कोल्ड ड्रिंक, वेफर्स, चिप्स, नूडल्स, बर्गर, पिज़्ज़ा, फ्रेंच फ्राईस, चाइनीज खाना आदि का प्रयोग करते हैं। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के खाद्य उत्पादों ने एक दशक में ही भारतीय बाजारों पर अपना कब्जा जमा लिया है। बड़े होटलों, रेस्ट्रां से लेकर जनरल स्टोर, किराने की दुकानों, थड़ियों और चायपान की दुकानों पर ये उत्पाद आपको आसानी से उपलब्ध हो जायेंगे। इनमें फास्ट फूड ऐसा उत्पाद है जो कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है। मैगी इसका जीवन्त उदाहरण है। मैगी का उपयोग घर-घर में हो रहा है और बच्चे विशेष रूप से इसे बड़े चाव से खा रहे हैं। जंक फूड आमतौर पर चिप्स, कैंडी, बर्गर, पिज़्ज़ा, फ्रेंकी, चाऊमीन, चाकलेट, पेटीज जैसे तले-भुने फास्ट फूड को कहा जाता है। इसके अलावा दुकानों पर लटकने वाली चमकीली थैलियों में लेज, कुरकुरे, चिप्स आदि का सेवन भी घर-घर में धड़ल्ले से हो रहा है।

प्राचीनकाल में हमारे देश में दूध से बनी वस्तुओं का उपयोग होता था। गेहूं, चावल और दालों के देशी उत्पादों का बोलबाला था। देशी उत्पादों के उपयोग से हमारा स्वास्थ्य भी बना रहता और विभिन्न बीमारियों से भी उत्पाद हमारा बचाव करते। मगर धीरे-धीरे पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण हमने विदेशी उत्पादों को अपनाना शुरू कर दिया। रंग-बिरंगी, चमकीली थैलियों के इन उत्पादों ने जल्दी ही हमें अपनी ओर आकर्षित कर लिया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मादुरो को हटाने से पहले अमेरिका ने वेनेजुएला के तेल संसाधनों को लेकर दशकों तक दबाव बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने और उनकी गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी विशेष बलों की कराकस में कार्रवाई के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब संयुक्त राज्य अमेरिका वेनेजुएला को चलाएगा जिसमें उसके प्रचुर तेल संसाधन भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के जर्जर तेल बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए अरबों डॉलर का निवेश करने को तैयार हैं और इससे देश के लिए पैसा कमाया जाएगा। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है303 अरब बैरल, जो वैश्विक भंडार का करीब 20 प्रतिशत है और सऊदी अरब से भी अधिक है। यदि ऐसा होता हैऔर यह एक बड़ा 'यदि' हैतो यह उस टकरावपूर्ण रिश्ते का अंत होगा, जिसकी शुरुआत लगभग 30 साल पहले हुई थी। हालांकि ट्रंप प्रशासन की यह सैन्य कार्रवाई कई मायनों में अभूतपूर्व रही, लेकिन वेनेजुएला की विशाल तेल संपदा और पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज तथा मादुरो के कार्यकाल में अमेरिका-वेनेजुएला संबंधों के इतिहास को देखते हुए यह अप्रत्याशित नहीं थी।

वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित लगभग तीन करोड़ आबादी वाला एक गणराज्य है, जो क्षेत्रफल में कैलिफोर्निया से लगभग दोगुना है। 20वीं सदी के शुरुआती वर्षों में इसे अपने तेल भंडार के कारण दक्षिण अमेरिका का सबसे समृद्ध देश माना जाता था। अमेरिका सहित विदेशी कंपनियों ने वेनेजुएला के तेल उद्योग में भारी निवेश किया और उसकी राजनीति में भी गहरी भूमिका निभाई। हालांकि अमेरिकी विरोध के बावजूद, वेनेजुएला के नेताओं ने अपने प्रमुख निर्यात संसाधन पर नियंत्रण बढ़ाना शुरू किया। वेनेजुएला 1960 में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के गठन में प्रमुख भूमिका निभाने वाला देश था और 1976 में उसने अपने तेल उद्योग का बड़े पैमाने पर राष्ट्रीयकरण किया। इससे एक्सॉनमोबिल जैसी अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हुआ और ट्रंप प्रशासन के हालिया दावों को बल मिला कि वेनेजुएला ने अमेरिकी तेल चुरा लिया। हालांकि, आम वेनेजुएलावासियों के लिए आर्थिक समृद्धि नहीं आई। तेल उद्योग के कुप्रबंधन के कारण देश कर्ज संकट में फंसा और 1988 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का हस्तक्षेप हुआ। फरवरी 1989 में कराकस में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए, जिन्हें कुचलने के लिए सरकार ने सेना तैनात की। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार करीब 300 लोग मारे गए, हालांकि वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक हो सकती है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गिरजाघर में लूटपाट, संदिग्ध गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मुस्लिम पुरुषों के एक समूह ने एक गिरजाघर पर हमला करके कथित तौर पर लूटपाट की और बाइबिल को अपवित्र कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हमला सोमवार सुबह लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर कासूर जिले के कोट राधा किशन में स्थित फेरेज डिन मेमोरियल चर्च पर हुआ। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मुख्य संदिग्ध अल्लाह रक्खा को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ ईशनिंदा व अन्य आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी के अनुसार, कुछ अज्ञात लोगों ने सोमवार सुबह गिरजाघर में घुसकर लूटपाट की और बाइबिल को भी अपवित्र किया। गिरजाघर के प्रभारी तारेक मसीह जब गिरजाघर को खोलने गए तो उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। मसीह ने पाया कि मुख्य दरवाजे की चाबी टूटी हुई थी, गिरजाघर को लूट लिया गया था और बाइबिल भी फटी हुई थी। पुलिस ने मुख्य संदिग्ध अल्लाह रक्खा को गिरफ्तार किया, जिसने अपराध कबूल कर लिया। पुलिस अधिकारी मोहम्मद ईसा ने बताया कि रक्खा का ईसाई समुदाय के कुछ सदस्यों से किसी मुद्दे पर विवाद था। पुलिस अधिकारी ने कहा, अपनी नाराजगी को व्यक्त करने के लिए, उसने गिरजाघर में घुसकर लूटपाट की।

प्रदर्शन

कोलकाता में मंगलवार को आदिवासी लोग पश्चिम बंगाल शेड्यूल्ड ट्राइब वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित एसटी रिजर्वेशन के लिए लड़ाई' प्रदर्शन किया।

बांग्लादेश में एक और हिंदू कारोबारी की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका। बांग्लादेश के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के 40 वर्षीय हिंदू मालिक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार रात को हुई। इससे कुछ ही घंटों पहले बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी को सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। 'बीडीन्यूज 24' की खबर के अनुसार, पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में दुकानदार मणि चक्रवर्ती पर सोमवार रात करीब 11 बजे हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। पलाश पुलिस थाना प्रमुख (ओसी) शाहेद अल मामून ने बताया कि मणि शिबपुर उपजिला के साधरचार यूनियन निवासी मदन ठाकुर के बेटे थे। मणि चारसिंदूर बाजार में किराना दुकान के मालिक थे। हाल के सप्ताहों में मारे गए वह तीसरे हिंदू कारोबारी हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि मणि जब सोमवार रात दुकान बंद करके अपने घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार एवं स्थानीय रूप से निर्मित हथियार से वार किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि मणि की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोग उन्हें पलाश उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रीना रॉय: पर्दे की पहली 'नागिन' ने जब चुराया लोगों का दिल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दुनिया में कई कलाकार हैं, लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं जो हर तरह के किरदार को इतनी मजबूती से निभाते हैं कि दर्शक उन्हें हमेशा याद रखें। रीना रॉय भी उन्हीं में से एक हैं। चाहे कोई रोल नेगेटिव हो या पॉजिटिव, उनकी परफॉर्मेंस में हमेशा आत्मविश्वास देखने को मिलता है। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने जिस तरह से फिल्मों में खुद को साबित किया, वह आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। उनकी खूबसूरती और अभिनय क्षमता ने उन्हें सिर्फ हिट फिल्मों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने हर किरदार से अपनी छाप छोड़ी। रीना रॉय का जन्म 7 जनवरी 1957 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम सायरा अली था। उनका परिवार फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा था। उनके पिता, सादिक अली, अभिनेता थे, और उनकी मां, शारदा रॉय, भी फिल्मों में काम करती थीं। माता-पिता के तलाक के बाद, उनका नाम बदलकर पहले रूपा रॉय और फिर फिल्म निर्माता की सलाह पर रीना रॉय रखा गया। उनकी रुचि बचपन से ही अभिनय में थी।

रीना ने 1972 में फिल्म 'जरूरत' से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं हुई, लेकिन रीना की परफॉर्मेंस ने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं का ध्यान खींचा। इसके बाद उन्होंने 1973 में 'जैसे को तैसा' और 1975 में 'जख्मी' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्मों में नेगेटिव किरदारों के जरिए अभिनय की ताकत दिखाई। 1976 में रीना के करियर का सुनहरा मोड़ आया। उन्होंने 'कालीचरण' और 'नागिन' जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। 'कालीचरण' में उनकी केमिस्ट्री शत्रुघ्न सिन्हा के साथ पसंद की गई, जबकि 'नागिन' में उन्होंने एक इंसान और नागिन के रूप में जटिल भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें बॉक्स ऑफिस स्टार बना दिया। इस समय उनकी खूबसूरती के साथ-साथ किरदार निभाने की मजबूती ने दर्शकों को प्रभावित किया।

1977 में रीना ने 'अपनापन' में काम किया और फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नामांकित हुईं। इसके बाद उन्होंने 1980 में 'आशा', 1981 में 'नसीब', और 1982 में 'सनम तेरी कसम' जैसी हिट फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए, कभी प्यार में हारी प्रेमिका की, तो कभी संस्कारी बहू की, तो कभी साहसी महिला की, उनके किरदारों में हमेशा गहराई और मजबूती देखने को मिलती थी।

रीना रॉय ने अपने करियर में कई बड़े सितारों के साथ काम किया। उन्होंने जितेंद्र के साथ कई हिट फिल्में दीं, जैसे 'बदलते रिश्ते', 'अर्पण', और 'आशा'। उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के साथ भी कई हिट फिल्में कीं। उनके किरदार चाहे नेगेटिव हों या पॉजिटिव, हमेशा दर्शकों के दिलों पर असर छोड़ते थे। उनके अभिनय की यही खासियत उन्हें अलग बनाती है। 1983 में रीना ने अपने करियर में ब्रेक लिया और पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी की। बाद में उनका तलाक हो गया और वे भारत लौट आईं। 1993 में उन्होंने 'आदमी खिलौना है' में वापसी की, लेकिन उनकी पुरानी लोकप्रियता दोबारा नहीं बन सकी। इसके बाद उन्होंने कुछ और फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई, जैसे 'अजय' (1996), 'गैर' (1999) और 'रिफ्यूजी' (2000)। रीना ने फिल्मों के अलावा टीवी में भी काम किया।

लंबे समय बाद सेट पर लौटीं कंगना रनौत, शुरू की नभारत भाग्य विधाता' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत काफी समय से फिल्मों से दूर और राजनीति में ज्यादा सक्रिय हैं। अभिनेत्री ने शीतकालीन सत्र में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा था, लेकिन अब काफी समय बाद कंगना वापस फिल्मी सेट पर लौटी हैं। उन्होंने शूटिंग करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। सेट पर वापसी करने का अनुभव अभिनेत्री के लिए खुश कर देने वाला है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह मनोज तापड़िया के साथ दिख रही हैं। अभिनेत्री सेट पर बाकी लोगों के साथ मिलजुल रही हैं और मनोज तापड़िया उन्हें फिल्म के सीन भी समझा रहे हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर कर लिखा, फिल्म के सेट पर वापसी कर अच्छा लग रहा है। कंगना फिल्म 'इमरजेंसी' के बाद लंबे समय के बाद दूसरी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं, जिसका नाम है 'भारत भाग्य विधाता'।

'इमरजेंसी' के रिलीज के साथ कंगना ने 'भारत भाग्य विधाता' की अनाउंसमेंट कर दी थी, लेकिन अब तकरीबन एक साल बाद फिल्म की शूटिंग शुरू की गई है। 'भारत भाग्य विधाता' को यूनोइया फिल्म्स की बबीता आशिवाल और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट के आदि शर्मा मिलकर प्रोड्यूस करने वाले हैं, जबकि डायरेक्ट मनोज तापड़िया करेंगे, जिन्होंने 'मद्रास कैफे', 'चीनी कम', 'एनएच10', और 'माई' जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया है।'भारत भाग्य विधाता' एक देशभक्ति फिल्म है, जिसमें उन महान वीरों की कहानियों को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में कम ही लोगों को पता है। फिल्म की कहानी वीरता और साहस की भावना से भरी होने वाली है, लेकिन फिल्म कब रिलीज होगी, इस बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।बता दें कि अभिनेत्री की आखिरी रिलीज फिल्म 'इमरजेंसी' सिनेमाघरों में फ्लॉप साबित हुई थी। फिल्म के रिलीज पर भी बैन लगा दिया गया था, लेकिन कुछ बदलावों के साथ फिल्म को रिलीज की अनुमति मिल गई। 'इमरजेंसी' का निर्माण और निर्देशन दोनों ही कंगना ने किया था। इसके अलावा, फिल्म में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल भी प्ले किया था।

मुलाकात

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार, मध्य प्रदेश के इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में कथित रूप से दूषित पानी पीने से मरने वाले पीड़ितों के दुखी परिवार वालों से मिलते हुए।

मुंबई के प्रदूषण से हिना खान की सेहत पर पड़ा बुरा असर

मुंबई/एजेन्सी

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई हमेशा अपने तेज रफ्तार जीवन और चमक-दमक के लिए जानी जाती है। हाल के वर्षों में मुंबई में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है और लोगों के लिए दिन-प्रतिदिन की जिंदगी मुश्किल बनती जा रही है। प्रदूषण ने ना सिर्फ आम लोगों की सेहत पर असर डाला है, बल्कि सेलिब्रिटी भी इससे अछूते नहीं हैं। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह बढ़ते प्रदूषण की समस्या से परेशान हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। हिना खान ने कहा, ''मुंबई की बिगड़ती हवा के कारण मुझे सांस लेने में मुश्किल हो रही है। प्रदूषण की वजह से लगातार खांसी है और यह सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। ब्रेस्ट कैंसर से जूझने के कारण यह मेरे लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।''

हिना खान ने कहा, ''प्रदूषित हवा की वजह से मेरा बाहर निकलना और शारीरिक तौर पर कोई काम करना भी सीमित हो गया है। यह मेरे दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियों पर भी असर डाल रहा है।''अपने अनुभव को और स्पष्ट करने के लिए हिना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुंबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में शहर का एक्यूआई 209 दर्ज किया गया, जो बताता है कि हवा की गुणवत्ता 'खराब' स्तर पर है।हिना ने कैप्शन में लिखा, ''क्या हो रहा है? सांस नहीं ले पा रही हूं। बाहर जाना कम कर दिया है। लगातार खांसी हो रही है। सुबह से ही हालत बहुत खराब है।'' इससे पहले हिना खान ने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' में अपने कैंसर से जूझने की चुनौतीपूर्ण यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उनका इलाज कठिन रहा और इस दौरान उन्हें अच्छे और बुरे दोनों दिन देखने को मिले।हिना ने कहा कि उन्होंने हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी ली, और कीमो के पहले हफ्ते में उन्हें बहुत दर्द होता था। लेकिन बाकी के दो हफ्ते, वह सामान्य जीवन जीने की कोशिश करती थीं और अपने परिवार और प्रियजनों के साथ वक्त बिताती थीं।हिना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''देखने का नजरिया बहुत महत्वपूर्ण है। लोग जैसे ही किसी गंभीर बीमारी का पता लगाते हैं, सोचते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई। मैं भी पहले ऐसा ही सोचती थी। लेकिन अनुभव करने के बाद मैंने समझा कि जीवन में बुरे और दर्दनाक दिन जरूर होते हैं, लेकिन अच्छे दिन भी आते हैं, जब आप अपने परिवार और प्यार के बीच सामान्य जीवन जीते हैं। यह संतुलन ही जीवन की खूबसूरती है।''

'राहु केतु' का ट्रेलर आज होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

राहु केतु को लेकर उत्साह अब अपने चरम पर पहुँच चुका है, क्योंकि बहुप्रतीक्षित ट्रेलर कल रिलीज़ होने जा रहा है। बस कुछ ही घंटों का इंतज़ार बाकी है और फैंस से लेकर इंडस्ट्री तक हर कोई बेसब्री से पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की इस धमाकेदार वापसी का इंतज़ार कर रहा है, जो अब तक की सबसे ज़्यादा अराजक और हँसाने वाली जोड़ी साबित होने वाली है। बेहद सहज कॉमिक टाइमिंग और ज़बरदस्त ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए मशहूर यह जोड़ी एक बार फिर पागलपन, मस्ती और बिना फ़िल्टर वाले मज़े का तूफ़ान लाने के लिए तैयार है। पहले रिलीज़ हुआ टीज़र पहले ही लोगों की जिज्ञासा बढ़ा चुका है, जिसमें दोस्ती, किस्मत और ज्योतिष का ऐसा तड़का दिखा, जहाँ कुछ भी कभी भी उलट-पुलट हो सकता है। तेज़ रफ्तार और मज़ेदार अंदाज़ ने ट्रेलर से उम्मीदें और भी बढ़ा दी हैं। इस चर्चा में एक ताज़ा रंग जोड़ रही हैं शालिनी पांडे, जो अपने नए लुक और दमदार मौजूदगी से खास छाप छोड़ने वाली हैं। शुरुआती चर्चाओं के मुताबिक, ट्रेलर में उनका किरदार सबसे ज़्यादा ध्यान खींचने वालों में से एक होगा। उनकी एंट्री कहानी में नई चमक भरती है और दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा देती है।

टीज़र को दर्शकों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की कॉमिक केमिस्ट्री की खूब तारीफ हो रही है और फैंस उन्हें फिर से पूरी तरह कॉमेडी मोड में देखकर खुश नज़र आ रहे हैं। दो दोस्तों की ग्रह-नक्षत्र से जुड़ी मस्ती भरी कहानी को इसकी अलग सोच और हल्के-फुल्के अंदाज़ के लिए सराहा जा रहा है। यही वजह है कि कई लोग मान रहे हैं कि राहु केतु एक बड़ी एंटरटेनर कॉमेडी बनकर उभर सकती है।

जैसे-जैसे ट्रेलर लॉन्च का काउंटडाउन शुरू हो चुका है, उत्साह को नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि यह पसंदीदा जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपना सिग्नेचर ह्यूमर और हंगामा लेकर आए। दशा और दिशा दोनों बदलेगी जब राहु केतु का ट्रेलर आएगा यह लाइन इस पूरे माहौल को बिल्कुल सटीक तरीके से बयान करती है। विपुल गर्ग के निर्देशन में बनी और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत राहु केतु को ज़ी स्टूडियोज़ ने बीलाइव प्रोडक्शंस के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। पहले से जारी पोस्टर्स इस अजीबोगरीब लेकिन मज़ेदार दुनिया की झलक दे चुके हैं और उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। राहु केतु 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है और अगर मौजूदा चर्चा को देखें, तो यह साफ है कि असली पागलपन अब शुरू होने वाला है।

भस्त्रिका से लेकर भ्रामरी तक, मलाइका अरोड़ा ने बताया कैसे ये प्राणायाम बदल सकते हैं सेहत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज और योग से जुड़ी जानकारी साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में सोमवार को मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह प्राणायाम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने उन महत्वपूर्ण प्राणायामों का जिक्र किया जो तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। उन्होंने कैप्शन में पांच प्रमुख प्राणायामों के नाम साझा किए। मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में जिन पांच प्रमुख प्राणायाम का जिक्र किया, उनमें भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी और उद्गीथ शामिल हैं। ये सभी प्राणायाम वह वीडियो में करती नजर आ रही हैं, साथ ही इनके फायदों को भी बता रही हैं।

भस्त्रिका प्राणायाम- भस्त्रिका प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है, शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है और मानसिक तनाव को कम करता है। लेकिन ध्यान रहे कि हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या सांस की समस्या वाले लोग इसे बिना डॉक्टर की सलाह के न करें, क्योंकि इसमें तेज सांस लेने से सिर में चक्कर, कमजोरी या सांस फूलने की समस्या हो सकती है।

कपालभाति- कपालभाति में सांस जोर से बाहर निकाली जाती है, जिससे शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। यह पाचन सुधारता है, पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को ऊर्जा देता है। लेकिन पेट या डायफ्राम की समस्या वाले लोग, या गर्भावस्था के दौरान, यह अभ्यास न करें; इससे पेट या छाती में तकलीफ बढ़ सकती है।अनुलोम विलोम- अनुलोम विलोम में नाक से धीरे-धीरे सांस ली और छोड़ी जाती है। यह प्राणायाम मानसिक शांति, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और नींद सुधारने में मदद करता है। लेकिन अगर किसी को सांस की समस्या, ब्लड प्रेशर या हृदय रोग है, तो बिना प्रशिक्षक की मदद के अनुलोम विलोम करना सही नहीं है। गलत तरीके से अभ्यास करने पर चक्कर, सांस फूलना या थकान हो सकती है।भ्रामरी- भ्रामरी में सांस छोड़ते समय भौंरे के गुंजन जैसी आवाज निकलती है। यह दिमाग को शांत करता है, सिरदर्द और मानसिक तनाव कम करता है। इसके फायदे अनेक हैं, लेकिन कान में समस्या, अत्यधिक शोर या सिर सिरदर्द होने पर इसे करने से नुकसान हो सकता है। तेज आवाज के साथ करना या बहुत ज्यादा देर तक करना सिरदर्द बढ़ा सकता है।

उद्गीथ- उद्गीथ में गहरी सांस लेकर धीरे-धीरे आवाज के साथ छोड़ी जाती है। यह फेफड़ों को मजबूत करता है और मानसिक तनाव कम करता है। हालांकि, अगर किसी को सांस लेने में तकलीफ है या गले में समस्या है, तो उद्गीथ प्राणायाम करने से गले में जलन, खांसी, या सांस फूलने जैसी समस्या हो सकती है।

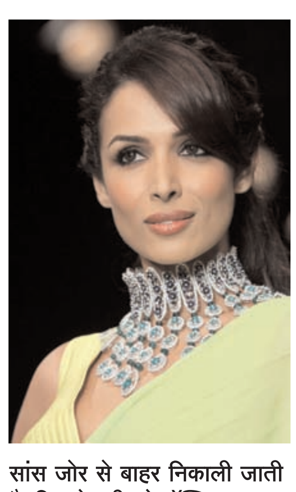

कुमावत समाज ने राधा-कृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की आमंत्रण पत्रिका का लेखन कार्य किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कुमावत समाज बेंगलूरु द्वारा राधा-कृष्ण मंदिर की आगामी प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार सुबह को शुभ मुहूर्त में पत्रिका लेखन का धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन किया। समाज के प्रस्तावित राधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान रिद्धि-सिद्धि विनायक महाराज, राधा-कृष्ण एवं कुलदेवी सहित समस्त देवी-देवताओं को विधिवत पत्रिका लिखी गई।

कुमावत समाज के अध्यक्ष मानकचंद सिंदड़ ने बताया कि समाज का यह बहुप्रतीक्षित धार्मिक आयोजन आगामी 20 फरवरी को राधा-कृष्ण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सभी समाज बंधुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की। स्वामी पुखराज जी महाराज के मार्गदर्शन में पत्रिका का लेखन कार्य हुआ। पुखराज महाराज ने शुभकामनाएं देते हुए आगामी प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों को लेकर उत्साह व्यक्त किया। कर्नाटक की अनेक संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। मानकचंद सिंदड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

जैन एक जीवनशैली, संयम और विचार है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि यह कभी मत भूलो कि तुम जैन हो, क्योंकि जैन होना केवल एक पहचान नहीं, एक जीवनशैली, एक संयम, एक विचार और एक अहिंसा से भरा हुआ पवित्र मार्ग है। जैन होना सिखाता है कि कम बोलना पर सही बोलना, कम खाना पर पवित्र खाना, कम लेना पर अधिक देना और हर जीव में आत्मा का सम्मान करना। उन्होंने कहा कि जिस दिन तुम यह याद रखते हो कि तुम जैन हो, उसी दिन तुम्हारे निर्णय, तुम्हारी वाणी और तुम्हारा चरित्र सब अपने आप पवित्र और संतुलित हो जाते हैं।ङ्गङ्गसाध्वी शीतलगुणा ने कहा कि चींटियों का इकट्ठा किया हुआ अनाज, मधुमक्खियों का इकट्ठा किया हुआ शहद और इंसान का इकट्ठा किया हुआ धन हमेशा दूसरों के काम आता है। इसलिए कुछ अच्छे कर्म हम करें जो हमेशा हमारे साथ जाएंगे। उन्होंने कहा कि धनवान बनने के लिए एक-एक कण का संग्रह करना पड़ता है और गुणवान बनने के लिए एक-एक क्षण का सदुपयोग करना पड़ता है। इस जीवन का पैसा अगले जन्म में काम नहीं आता मगर इस जीवन का पुण्य जन्मों जन्मों तक काम आता है।अनेक श्रद्धालुओं ने विहार सेवा का लाभ लिया।

जीतो साउथ लेडीज विंग की 'टेक्सचर आर्ट कार्यशाला' आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा कला एवं संस्कृति के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय टेक्सचर आर्ट वर्कशॉप 'टेक्सचर सोयरी' का शुभारंभ रविवार को हुआ। वाइस चेयरपर्सन लता बोहरा ने स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं के जीवन में टेक्सचर आर्ट के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह कला घर बैठे आसानी से सीखी और अपनाई जा सकती है, जिससे महिलाएँ अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकती हैं। साथ ही उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि टेक्सचर आर्ट न केवल मानसिक सुकून और आनंद प्रदान करती है, बल्कि महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम भी बन सकती है।

कार्यशाला का संचालन प्रशिक्षक इंदु दांतेवाड़िया ने किया। उन्होंने टेक्सचर आर्ट से जुड़ी बारीकियों, तकनीकों एवं व्यावहारिक ज्ञान को अत्यंत सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने अपनी शुभकामनाएँ दी। पूर्व चेयरपर्सन मधु डोशी सहित वाइस चेयरपर्सन नीलम सांड, मुख्य सचिव निधि पालरेचा, सहमंत्री चंद्रा जैन, प्रिया गांधी, अस्मिता चौहान, अंगिका बाफना एवं संगीता सियाल उपस्थित थीं। सहसंयोजिका साक्षी नाहर ने धन्यवाद दिया।

वर्षीतप के 313 तपस्वियों के लिए आयोजित की तीर्थ यात्रा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय यात्रा संघ में 313 यात्रियों ने प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेवजी(आदिश्वर भगवान)के हस्तिनापुर नगर का दर्शन किया। जहां पर सुबह वर्षीतप के तपस्वियों का वरघोड़ा, देवदर्शन, पूजा एवं रात्रि में प्रभु भक्ति का आयोजन किया गया। सभी वर्षीतप तपस्वियों का ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता, महामंत्री संतोष चौहान, कोषाध्यक्ष गजेंद्र चांदावत, सहमंत्री नरेश बांठिया आदि ने स्वागत किया। कैलाश संखलेचा ने बताया इस यात्रा संघ में ट्रस्ट मंडल के साथ गौतम जीरावला, महावीर गुलेच्छा, महेंद्र विनायकिया, नरेन्द्र सोलंकी, निहालचंद मेहता आदि अनेक सदस्य अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नरेन्द्र मोदी कप

भारतीय जनता पार्टी विजयनगर द्वारा हंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में पूर्व पार्षद एच रविंद्र के नेतृत्व में क्रिकेट स्पर्धा 'नरेंद्र मोदी कप' का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

आऊवा महिला मंडल ने परंपरा और पर्व के संग नूतन वर्ष का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आऊवा महिला मंडल की जनवरी माह की मासिक संगोष्ठी का आयोजन मंगलवार को मंजु चण्डालिया के निवास पर किया। परंपरा और पर्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। अध्यक्ष कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर शर्मिला, एकता, पूनम जैन ने भी विचार रखे। संतोष एवं मोनिका जैन द्वारा सदस्याओं के लिए मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संचालन मंत्री पिंकी इसरानी ने किया। संतोष रायसोनी ने नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने संकल्पों से जुड़े रहना चाहिए तथा आध्यात्मिक क्रियाओं हेतु प्रतिदिन निश्चित समय निर्धारित करना चाहिए।

अभामायुमं का राष्ट्रीय लघु अधिवेशन बेंगलूरु में, तैयारियां लगभग पूर्ण

शुक्रवार से होगा यह तीन दिवसीय लघु अधिवेशन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच(अभामायुमं) के तत्वावधान में 9 जनवरी ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दि किंग मिडोज रिसोर्ट में आयोजित यह मंच का 45वाँ राष्ट्रीय सभा सह लघु अधिवेशन होगा। कार्यक्रम का आयोजन शहर के मारवाड़ी युवा मंच की बेंगलूरु, स्टार्स, सेन्ट्रल व जागृति शाखा मिलकर कर की रही है। इस लघु अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य संगठन की एकता को सुदृढ़ करना, युवाओं को आपस में जोड़ना, नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक विचारों का सार्थक आदान-प्रदान करना है। पहले दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक व शनिवार व रविवार को अनेक प्रेरणादायक, व्यावसायिक, सामाजिक, पारिवारिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह अधिवेशन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम. जैन के नेतृत्व में होगा जिसमें पूर्व अध्यक्ष व अन्य राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारी शामिल होंगे। ङ्गमंगलवार को शहर में कर्नाटक प्रान्त से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साकेत रिटोलिया, प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक(वित्त) नितेश टिबड़ेवाल, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष गोपालकुमार अग्रवाल, बेंगलूरु स्टार्स के अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला, बेंगलूरु सेन्ट्रल के अध्यक्ष गौतम लोहिया, जागृति शाखा की अध्यक्ष रितु सिंघल और अधिवेशन स्वागत समिति के अध्यक्ष अंकित मोदी की उपस्थिति में तैयारी बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अधिवेशन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा कार्य विकेन्द्रीकरण किया गया। अधिवेशन के मीडिया प्रभारी सुशीलकुमार बंसल और स्नेहकुमार जाजू ने अधिवेशन की विस्तार से जानकारी दी।

बेंगलूरु में पुलिस ने साढ़े तीन करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मादक पदार्थों की कथित तस्करी में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3.50 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ एमडीएमए क्रिस्टल जब्त किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अशोक नगर थाना पुलिस ने 31 दिसंबर को एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि होसुर रोड स्थित हिंदू श्मशान घाट के पास एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान उसने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर नववर्ष समारोह के दौरान बिक्री के इरादे से किसी अज्ञात स्रोत से कम कीमत पर 'एमडीएमए क्रिस्टल' खरीदा था। उन्होंने यह भी बताया कि मादक पदार्थ को श्मशान घाट में एक स्मृति स्थल के पास छिपाया गया था।

पुलिस ने बताया कि इस जानकारी के आधार पर उसने 2.48 किलोग्राम एमडीएमए क्रिस्टल और कथित अपराध में इस्तेमाल किया गया एक दोपहिया वाहन जब्त किया है। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में पुलिस को उसके एक अन्य सहयोगी का पता चला, जिसे कथित तौर पर चार जनवरी को बैयप्पनहल्ली से गिरफ्तार किया गया था।

आवारा कुत्तों के हमले से बच्चा घायल, अस्पताल में भर्ती

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में आवारा कुत्तों के हमले में दो वर्षीय एक लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल के प्राधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्राधिकारियों ने बताया कि रविवार दोपहर आज़ाद नगर इलाके में हुई इस घटना के बाद घायल बच्चे की पहचान अहमद रमीज़ बिस्ती के रूप में हुई है।

पीड़ित के परिवार के अनुसार, अहमद अपने घर के पास एक संकरी गली में खेल रहा था, तभी अचानक सात-आठ आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चे को घसीटा और उसे बार-बार काटा, जिससे उसके शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं। उसकी चीखें सुनकर निवासी मौके पर पहुंचे, कुत्तों को भगाया और उसे बचा लिया। अहमद को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

देवदर्शन यात्रा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माहेश्वरी महिला संगठन की सदस्याओं ने नववर्ष के उपलक्ष्य में पिकनिक व देवदर्शन यात्रा के तहत घाटी सुब्रह्मण्यम, लेपाक्षी, शिव आदियोगी के दर्शन कर वन भोज का आनंद लिया। अध्यक्षा श्वेता बियाणी सहित 25 अन्य सदस्याओं ने मनोरंजक खेलों के साथ इस यात्रा का आनंद लिया।

तेयुप मण्डया द्वारा अभिनव सामायिक फेस्टिवल आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद मंड्या द्वारा नववर्ष के प्रथम रविवार को 'अभिनव सामायिक फेस्टिवल' का आयोजन तेरापंथ भवन में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में किया गया। साध्वी श्री ने कहा कि जैन श्रावक की साधना का एक उपक्रम है सामायिक।

सामायिक में समता व आत्मानुशासन की साधना की जाती है। एक मुहू र्त(सामायिक) पापकारी प्रवृत्तियों को न करने का संकल्प, त्याग व्यक्ति की त्याग चेतना, अनासक्त चेतना, संयम चेतना को विकसित करता है। युवा पीढ़ी सामायिक साधना से जुड़कर शुभ भविष्य का निर्माण कर रही है। साध्वीश्री विनीतयशाजी ने विधिवत अभिनव सामायिक का प्रयोग करवाया जिसमें ध्यान व जप का भी प्रयोग करवाया गया। साध्वीश्री के मार्गदर्शन में 60 श्रावक, श्राविकाओं ने अभिनव सामायिक का प्रयोग किया।

ग्रैंड आरपीसीएल-6 दुधेड़िया कप में मुकाबले होने लगे रोमांचक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजस्थान परिषद द्वारा आयोजित ग्रैंड आरपीसीएल-6 दुधेड़िया कप के तीसरे सप्ताह के लीग मुकाबले की शुरुआत में परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। आरपीसीएल चेयरमैन सूरज चिंडालिया एवं सलाहकार सुनील सुराणा ने सहयोग प्रदान करने वाले सभी प्रायोजकों एवं परिषद परिवार के सदस्यों को धन्यवाद दिया। रविवार को पहले मुकाबले में कर्मा वॉरियर्स चाड़वास टीम ने शानदान प्रदर्शन करते हुए गंगाशहर टाइटंस की टीम को हराया। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए रजत को मैन ऑफ दि मैच घोषित किया गया। दूसरे मुकाबले में चूरू सुपर किंग्स टीम ने बिदासर राजवाड़ा वॉरियर्स की टीम से मुकाबला करते हुए विजय प्राप्त की तथा मैच में प्रदीप को मैन ऑफ दि मैच चुना गया। तीसरे मुकाबले में सरदारशहर कुबेर टीम ने लाडनूं वॉरियर्स की टीम को 62 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। हर्षित दुगड़ को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। आखिरी मुकाबले में माइटी सुजानगढ़ टीम के स्कोर का पीछा करते हुए शानदार बल्लेबाजी करते हुए राजलदेसर अडोर किंग्स टीम ने 7 विकेट से जीत हासिल की। प्रज्वल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।ङ्गमैच के दौरान मुनिश्री पुलकित कुमारजी क सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। इस आयोजन में बालचंद चिंडालिया, सुशील चोरड़िया, पन्नालाल लूनिया, विक्रम श्रीमाल, आलोक सेठिया सहित परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित थे। परिषद के मंत्री रजत बैद ने सभी को धन्यवाद दिया।

उडुपी में ट्रक और बस की टक्कर में 15 लोग घायल

उडुपी। कर्नाटक के उडुपी जिले में एक ट्रक और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस की आमने-सामने की टक्कर में 15 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्राधिकारियों के अनुसार, बस सोमवार देर रेत नेरलाकट्टे से तल्लूर जा रही थी तभी कुंडापुरा में शेट्टारकट्टे मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक उससे टकरा गया। उन्होंने बताया कि इस हादसे में सात छात्रों समेत 15 लोग घायल हो गए जिनमें से अधिकतर बस में सवार थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**